केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से दिल्ली में मिले राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोकशक्ति

शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान एनईपी 2020 के 5 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कल भारत मंडपम में अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2025 का शुभारंभ करेंगे

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 › अंक - 216 | रायपुर | मंगलवार 29 जुलाई 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 › मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

लोकसभा में गरजे राजनाथ सिंह, 'सुदर्शन चक्र उठा लिया है, ऑपरेशन सिंदूर जारी रहेगा'

ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य आतंकी नर्सरियां खत्म करना था : रक्षामंत्री

एजेंसी -

नई दिल्ली. लोकसभा में सोमवार 28 जुलाई को 'ऑपरेशन सिंदूर' पर हुई चर्चा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ जोरदार प्रहार करते हुए विपक्ष को आईना दिखाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि कभी-कभी विपक्षी दलों के लोग सवाल उठाते हैं कि हमारे कितने विमान गए? लेकिन उनका यह सवाल हमारी राष्ट्रीय भावनाओं का सही से प्रतिबिंब नहीं है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने का मकसद था उन आतंकी नर्सरियों को खत्म करना जिन्हें पाकिस्तान ने बरसों से पाला-पोसा हुआ था।

उन्होंने कहा कि विपक्ष ने एक बार भी यह नहीं पूछा कि हमारी सेनाओं ने दुश्मन के कितने विमान मार गिराए? यदि सवाल ही करना है तो सही सवाल यह होना चाहिए कि क्या भारत ने आतंकी ठिकानों को प्रभावी तरीके से तबाह किया और ऑपरेशन सिंदूर सफ ल रहा तो

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि भारत ने न केवल अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, बल्कि अपनी राष्ट्रीय दृढ़ता, नैतिकता और राजनीतिक कुशलता का भी परिचय दिया है। भारत अब किसी भी आतंकी हमले का निर्णायक और स्पष्ट उत्तर देगा। अब आतंकवाद को आश्रय और समर्थन देने वालों को कोई शरण नहीं मिलेगी। भारत किसी भी तरीके से किसी भी तरह के परमाणु ब्लैकमेलिंग या अन्य दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है।

उसका उत्तर है, हां।

लोकसभा में उन्होंने कहा कि जब कोई परीक्षा में बैठता है तो उसके अंक मायने रखते हैं, न कि यह कि कितनी पेंसिल टूटीं। विपक्ष को सही सवाल पता नहीं है, इसलिए हम उन्हें बताते हैं। सही सवाल यह होना चाहिए था कि क्या हमने जो लक्ष्य निर्धारित किए थे, उन्हें हासिल किया और उसका जवाब है–हां, हमने वे लक्ष्य हासिल कर लिए।÷

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत ने कार्रवाई इसलिए रोकी क्योंकि संघर्ष के पूर्व और दौरान जो राजनीतिक और सैन्य लक्ष्य निर्धारित किए गए थे, वे पूरी तरह प्राप्त हो चुके थे। इसलिए यह कहना कि ऑपरेशन किसी दबाव में रोका गया, पूरी तरह से बेबुनियाद और गलत है।

ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान लोकसभा में रक्षा मंत्री ने कहा कि लड़ाई हमेशा बराबरी वालों से की जाती है, शेर कभी मेंढक पर हमला नहीं करता, पाकिस्तान से मुकाबला कर भारत लेवल खराब नहीं करेगा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई केवल सीमा पर नहीं है बल्कि वैचारिक मोर्चों पर भी लड़ी जा रही है। इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री ने कई प्रतिनिधिमंडलों का गठन किया था जिसमें हमारे अधिकांश पार्टी के सांसद शामिल थे। सचमुच इस समूह ने वैश्विक मंचों पर जाकर भारत की बात बहुत प्रभावी तरीके से रखी और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन को उन्होंने मजबूत किया। मैं उन सभी सम्मानित सदस्यों के प्रति शीश झुकाकर आभार व्यक्त करना चाहता हूं।

भारत–पाक सीजफायर में यूएस का रोल नहीं : संसद में जयशंकर

संवाददाता

जयशंकर ने पाकिस्तान के झूठ की पोल खोल दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान सुरक्षा काउंसिल का सदस्य है और हम नहीं है, लेकिन हमने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को पाकिस्तान के बारे में बताया। जयशंकर ने यह भी कहा कि हमने पूरी दुनिया को बताया कि भारत को अपने नागरिकों की रक्षा करने का अधिकार है। जयशंकर ने कहा कि जब हमारी रेड लाइन क्रॉस कर गई, तब हमें सख्त कदम उठाने पड़े।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे पर जयशंकर ने कहा कि 22 अप्रैल से 17 जून के बीच प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिकी राष्ट्रपति के बीच फोन पर कोई बातचीत नहीं हुई। जयशंकर के निशाने पर नेता विपक्ष राहुल गांधी भी रहे। जयशंकर ने बिना नाम लिए राहुल गांधी के चीन दौरे पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब चीन अरुणाचल प्रदेश के नागरिकों को स्टेपल वीजा जारी कर रहा था तब कुछ नेता चीन में बैठकर ओलंपिक देख रहे थे। उन्होंने कहा कि मैं ना तो

पाकिस्तान की ओर से हुई सीजफायर की पहल

जयशंकर ने भारत की विदेश नीति की तारीफकरते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की और पाकिस्तान को सबक सिखाया गया। उन्होंने कहा कि हमने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया और उसे कड़ा संदेश दिया ।

चीन ओलंपिक देखने गया और ना ही किसी सीक्रेट एग्रीमेंट के लिए गया। जयशंकर ने कहा, हमने दुनिया के सामने पाकिस्तान के असली चेहरे को बेनकाब कर दिया। सिक्योरिटी काउंसिल में पाकिस्तान समेत केवल तीन देशों ने ऑपरेशन सिंदूर का विरोध किया। UN में 193 देश हैं, जिसमें से तीन सदस्यों ने ही इसका विरोध किया।

जयशंकर ने कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर में कोई भी देश मध्यस्थ के रूप में शामिल नहीं था। जयशंकर ने एक बार फिर संसद में साफ बताया कि सीजफायर की पहल पाकिस्तान की ओर से हुई और उसने ही गुहार लगाई थी। जयशंकर ने यह भी कहा कि क्वाड देशों ने पहलगाम घटना की निंदा की है। उन्होंने कहा कि अमेरिका से तहव्वुर राणा का प्रत्यार्पण हुआ और यह हमारी डिप्लोमेसी है।

पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड हाशिम मूसा समेत 3 आतंकी ढेर

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर में पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के टॉप कमांडर हाशिम मूसा (जो पहले पाकिस्तानी सेना का सिपाही था) को आखिरकार भारतीय सेना ने मार गिराया है. यह एनकाउंटर 28 जुलाई को श्रीनगर के लिडवास इलाके में हुआ. अब इस मुठभेड़ की तस्वीरें सामने आई हैं. हाशिम मूसा को न सिर्फ पहलगाम हमले का साजिशकर्ता माना जाता था, बल्कि वह सोनमर्ग टनल हमले का भी जिम्मेदार था. जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के बाइसरन घाटी में पांच आतंकियों ने 26 पर्यटकों पर हमला किया था. हमले में कार्बाइन और AK-47 का इस्तेमाल हुआ. द रेजिस्टेंस फ्रंट जो लश्कर का मोहरा है, ने पहले जिम्मेदारी ली थी।

चिदंबरम पहलगाम हमले पर बोले–आतंकवादियों के पाकिस्तानी होने का सबूत नहीं; भाजपा ने साधा निशाना

एजेंसी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री पी चिदंबरम ने अपने एक साक्षात्कार में पहलगाम आतंकी हमले को लेकर बयान दिया है, जिससे भाजपा बुरी तरह नाराज हो गई है। भाजपा नेताओं ने चिदंबरम पर पाकिस्तान को क्लीन चिट देने का आरोप लगाया है और सवाल उठाया है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हमेशा पाकिस्तान का बचाव क्यों करते हैं। इसके जवाब में चिदंबरम ने भाजपा नेताओं पर बयान को कांट-छांट कर प्रस्तुत करने का आरोप लगाया है। चिदंबरम ने सरकार पर तथ्यों को छिपाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वे इस

तथ्य को छिपा रहे हैं कि हमने सामरिक गलतियां की हैं। उन्होंने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की भूमिका पर भी सवाल उठाया, एनआईए बताने को तैयार नहीं कि उसने क्या किया। क्या उन्होंने आतंकवादियों की पहचान की, वे कहां से आए थे? वे स्थानीय आतंकवादी हो सकते हैं। आप यह क्यों मान रहे हैं कि वे पाकिस्तान से आए थे? इसका कोई सबूत नहीं है।

अनुराग ठाकुर संसद में कांग्रेस पर बिफरे, पाक परस्ती का लगाया आरोप

नई दिल्ली एजेंसी

ऑपरेशन सिंदूर शुरू करने का मकसद था उन आतंकी नर्सरियों को खत्म करना जिन्हें पाकिस्तान ने बरसों से पाला-पोसा हुआ था। सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा, आज सदन में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा होनी थी लेकिन कांग्रेस के नेताओं में होड़ मची रही कि पाकिस्तान का सबसे करीबी दोस्त और सबसे प्यारा कौन बनकर सामने आए। एक पूर्व गृह मंत्री ने जो इंटरव्यू दिया था, उसमें उन्होंने कहा था- अगर इसमें पाकिस्तान का हाथ नहीं है, तो आप कैसे कह सकते हैं कि आतंकवादी पाकिस्तान से आए थे? कभी वे इसे हिंदू आतंकवाद कहते हैं, कभी वे पाकिस्तान का बचाव करने आ जाते हैं। आज कांग्रेस पार्टी में पाकिस्तान

के इतने बड़े पैरोकार हैं कि बाद में पाकिस्तान अपना बचाव करता है, और कांग्रेस के नेता उनका बचाव करने आ जाते हैं। पाकिस्तानी सेना और पाकिस्तानी सरकार लश्कर-ए-राहुल के भाइयों को अपने पक्ष में इस्तेमाल कर रही है हालाँकि यह कांग्रेस है, लेकिन उनके बयानों और कार्यों से ऐसा लगता है कि यह इस्लामाबाद नेशनल कांग्रेस बन गई है।÷

लोकसभा में फूटा स्पीकर का गुस्सा, राहुल-गोगोई को लगाई फटकार...

संसद के मानसून सत्र में हंगामे और शोरशराबे का दौर जारी है। लोकसभा की कार्यवाही बाधित होने पर स्पीकर ओम बिरला नाराज हो गए और उन्होंने कांग्रेस सांसदों का नाम लेकर सदन में योजना बनाकर व्यवधान पैदा करने का आरोप लगाया। बिरला ने राहुल गांधी और असम से निर्वाचित सांसद गौरव गोगोई का नाम लेकर उन्हें टोका। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने विपक्ष के हंगामे पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा, 'मिस्टर गोगोई और आप सब राजनीतिक दलों के लोग आए थे, आपने कहा ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा होनी चाहिए, फि र आप सदन बाधित कर रहे हैं। आखिर सदन आप क्यों नहीं चलने दे रहे?

धर्मांतरण के मास्टरमाइंड छांगुर बाबा की बढ़ी मुश्किलें, 5 दिन की ईडी रिमांड में भेजा गया

संवाददाता। लखनऊ ,धर्मांतरण के मास्टरमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छांगुर बाबा को गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया, जहां से उसे पांच दिनों की ईडी रिमांड में भेज दिया गया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने छांगुर बाबा को अदालत में पेश किया और पूछताछ के लिए 7 दिन की रिमांड मांगी थी। कोर्ट ने सुनवाई के बाद छांगुर बाबा को 5 दिन की ईडी कस्टडी में भेजा। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छांगुर बाबा पर गैरकानूनी धर्मांतरण, विदेशी धन के उपयोग और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संभावित खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों से संबंधित षड्यंत्र रचने का आरोप है।

भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक : सावन सोमवार में उमड़ी भक्तों की भीड़

विदेश | तत्काल युद्धविराम पर बनी सहमति

मलेशिया बना 'संकटमोचक' थाईलैंड और कंबोडिया के बीच खूनी संघर्ष पर लगाया ब्रेक,

एजेंसी

बैंकॉक थाईलैंड और कंबोडिया के बीच पिछले कई दिनों से जारी संघर्ष पर अब विराम लग गया है। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने सोमवार को घोषणा की कि दोनों दक्षिण-पूर्व एशियाई पड़ोसी देशों ने तत्काल और बिना शर्त युद्धविराम (सीजफायर) पर सहमति जता दी है। यह फैसला तब आया है जब मलेशिया ने दोनों देशों के बीच मध्यस्थता की पेशकश की थी ताकि सीमा पर लगातार बिगड़ते हालात पर काबू पाया जा सके। अनवर इब्राहिम ने कहा कि यह समझौता दोनों पक्षों द्वारा सीमा संघर्ष को शांतिपूर्वक सुलझाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है।

पिछले सप्ताह से शुरू हुए इस संघर्ष में

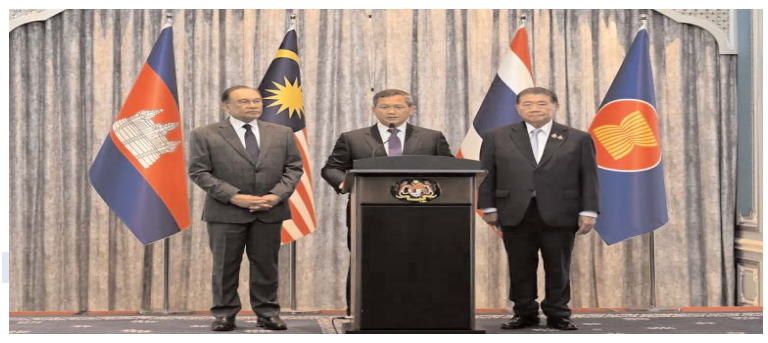

थाईलैंड और कंबोडिया ने एक-दूसरे पर झड़प की शुरुआत करने के आरोप लगाए। इसके बाद दोनों पक्षों ने भारी तोपखाना और हवाई हमले तक कर डाले। मलयेशियाई पीएम की पहल पर हुए इस युद्धविराम से क्षेत्र में शांति बहाल होने की उम्मीद बढ़ी है। बता दें कि थाईलैंड और कंबोडिया के बीच हमले में अब तक कई लोगों की मौत हो चुकी है। इसके साथ ही, इंफ्रास्ट्रक्चर को भी नुकसान पहुंचा है। वहीं, इन हमलों के बीच कई देशों ने अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की थी कि वे हमले वाले क्षेत्र की ओर न जाएं। साथ ही, दूतावास के संपर्क में रहने के लिए कहा गया था।

इससे पहले थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में सोमवार को एक भीषण गोलीबारी की घटना सामने आई, जिसमें कम से कम छह लोगों की मौत हो गई और दो महिलाएं घायल हुईं। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 61 वर्षीय हमलावर ने बाजार में अचानक गोलीबारी शुरू कर दी और फिर अंत में खुद को भी गोली मार ली। दोपहर करीब 12 बजकर 38 मिनट पर हुई इस घटना के दौरान दो महिलाओं को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बांग्लादेश के रंगपुर में 15 हिंदुओं के घरों को लूटा, किया आग के हवाले

इस्लामी भीड़ ने ईशनिंदा के नाम पर 50 परिवारों को किया भागने पर मजबूर

संवाददाता

बांग्लादेश के रंगपुर जिले में इस्लामी भीड़ ने हिंदुओं को निशाना बनाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, गंगाचारा उपजिला के बेटगारी यूनियन में रविवार (27 जुलाई 2025) को 500-600 मुस्लिमों की भीड़ ने 15 से ज्यादा हिंदू घरों पर हमला किया। उन्होंने 'ईशनिंदा' के बहाने घरों में तोड़फोड़ की और सामान लूट लिया।

खबरों के मुताबिक, यह हमला रविवार शाम करीब 4:30 बजे हुआ। मुस्लिम भीड़ ने सिर्फ हिंदू घरों को निशाना बनाया और उनका सामान लूट लिया। डर की वजह से कम से कम 50 हिंदू परिवार अपने घर छोड़कर भाग गए।

यह हिंसा शनिवार (26 जुलाई 2025) से शुरू हुई, जब मुस्लिमों ने एक हिंदू व्यक्ति के घर पर लाठी और हथियारों से हमला किया।

रविवार शाम को फिर से मुस्लिम भीड़ ने हिंदू परिवारों के घरों को घेर लिया, तोड़फोड़ की और लूटपाट की। उनके पास लाठियाँ और देसी हथियार थे। एक हिंदू महिला ने रोते हुए कहा, अब हम कैसे जिएँगे? हम पूरी तरह बर्बाद हो गए। उन्होंने (मुस्लिमों ने) सब कुछ छीन लिया।

एक युवा हिंदू लड़की ने 'आजकर पत्रिका' को बताया कि जब हमलावर उनके घरों में तोड़फोड़ करने आए, तब पुलिस वहाँ थी। पुलिस ने पहले भीड़ को रोकने की कोशिश की, लेकिन बाद में भाग गई और हिंदुओं को उनकी किस्मत के भरोसे छोड़ दिया। लड़की ने पूछा, ÷हम जैसे निर्दोष लोगों के घर क्यों तोड़े और लूटे गए?÷ उसे नहीं पता था कि मुस्लिम भीड़ 'सामूहिक सजा' देने के लिए ऐसा करती है।

गंगाचारा पुलिस के ओसी अल इमरान ने माना कि उन्होंने 500-600 मुस्लिमों की भीड़ को इकट्ठा होने दिया, क्योंकि उन्हें लगा कि यह 'शांतिपूर्ण मार्च' है। उन्होंने कहा, ÷लेकिन अचानक उन्होंने हमला शुरू कर दिया। एक पुलिसवाला गंभीर रूप से घायल हो गया।÷

उन्होंने यह भी बताया कि मुस्लिम भीड़ ने दोपहर की नमाज के बाद यह हमला किया।

स्थानीय हिंदू निवासी प्रमोद महंत ने 'प्रथम आलो' को बताया कि मुस्लिमों ने बाजार में विरोध प्रदर्शन की बात कही थी, लेकिन जल्द ही नारे लगाने शुरू किए और हिंदू घरों पर हमला कर दिया।

भारतीय राजदूत ने रूस से तेल आयात का किया बचाव, कहा- क्या अर्थव्यवस्था बंद कर दें?

एजेंसी

ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने भारत के रूस से तेल आयात करने के फैसले का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि भारत से भू-राजनीतिक चिंताओं के कारण अपनी अर्थव्यवस्था को बंद करने की उम्मीद नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि भारत के कई यूरोपीय साझेदार उन्हीं देशों से मृदा और अन्य ऊर्जा उत्पाद खरीद रहे हैं जिनसे वे भारत को आयात करने की मना करते हैं। दोरईस्वामी ने कहा, रूस से हमारा रिश्ता कई मानदंडों पर आधारित है। इनमें से एक हमारा दीर्घकालिक सुरक्षा संबंध है, जो उस युग से चला आ रहा है जब हमारे कुछ पश्चिमी साझेदार हमें हथियार नहीं बेचते थे, बल्कि हमारे पड़ोस के देशों को बेचते थे, जो उनका इस्तेमाल केवल हम पर हमला करने के लिए करते थे। दोरईस्वामी ने यह प्रतिक्रिया भारत और रूस की निकटता पर पश्चिमी देशों की ओर से की जा रही आलोचना पर दी है। दोरईस्वामी ने कहा, हमारे रूस के साथ ऊर्जा संबंध है, जो इस बात का परिणाम है कि बाकी सभी लोग उन स्रोतों से ऊर्जा खरीद रहे हैं, जहां से हम पहले खरीदते थे। हम दुनिया में ऊर्जा के तीसरे सबसे बड़े उपभोक्ता हैं। हम अपने 80 प्रतिशत उत्पादों का आयात करते हैं। आप हमसे क्या करवाना चाहेंगे? अपनी अर्थव्यवस्था बंद कर दें? उन्होंने कहा कि रूस के साथ ऊर्जा संबंध बढ़ती लागत और अन्य वैश्विक कारणों से प्रभावित हैं। बता दें कि भारत विश्व का तीसरे सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता है। देश ने जनवरी-जून 2025 में रूस से प्रतिदिन लगभग 17.50 लाख बैरल तेल खरीदा है, जो पिछले साल की तुलना में 1 प्रतिशत अधिक है।

दो महिला सहित 17 लाख रुपये के इनामी 4 माओवादी ढेर, युद्ध स्तर पर जंग जारी

दक्षिण सब जोनल ब्यूरो के 04 माओवादी ढेर, मुठभेड में एसीएम स्तर के 03 और 01 पार्टी सदस्य कमांडर मुठभेड़ में मारा गया

बीजापुर । मुठभेड़ स्थल से 01- एसएलआर, 01- इंसास, 01- .303 रायफ्ल, 01- 12 बोर,बीजीएल लांचर, सिंगल शॉट सहित भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री एवं नक्सल संबंधी अन्य सामान भी बरामद किए गए।

बीजापुर :- जिले के पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र यादव ने बताया कि जिले के दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र में माओवादी कैडर की गतिविधियों की विश्वसनीय सूचना के आधार पर डीआरजी बीजापुर की टीम द्वारा सर्च ऑपरेशन चलाया गया। अभियान के दौरान दिनांक 26 जुलाई 2025 के शाम को पुलिस बल और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ होती रही। मुठभेड़ के पश्चात मुठभेड़ स्थल की तलाशी में 01- एसएलआर, 01- इंसास, 01- .303 रायफ्ल, बीजीएल लांचर, सिंगल शॉट सहित भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री एवं नक्सल संबंधी अन्य सामान भी बरामद किया गया।

प्रारंभिक तौर पर मृत माओवादी की पहचान :-

हुंगा, एसीएम, प्लाटून नम्बर 10 दक्षिण सब जोनल ब्यूरो, शासन द्वारा ?05 लाख का इनाम घोषित, लक्खे, एसीएम, प्लाटून नम्बर 30, दक्षिण सब जोनल ब्यूरो, शासन द्वारा ?05 लाख का इनाम घोषित, भीमे, एसीएम, दक्षिण सब जोनल ब्यूरो, शासन द्वारा ?05 लाख का इनाम घोषित, निहाल ऊर्फ राहुल, पार्टी सदस्य (संतोष, ब्यूरो कम्युनिकेशन टीम हेड का गार्ड) दक्षिण सब जोनल ब्यूरो, शासन द्वारा ?02 लाख का इनाम घोषित

मुठभेड़ स्थल से बरामद सामग्री विवरणः

01 नग एसएलआर, 03 मैग्जीन 15 जिंदा राउण्ड, 1 नग इंसास , 03मैग्जीन 40 जिंदा राउण्ड, 01 नग .303 रायफ्ल 01 मैग्जीन, 16 जिंदा राउण्ड, 01 नग बीजीएल लांचर (सुरखा) 03 नग सेल, 01 नग सिंगल शॉट 315 बोर रायफ्ल , 01 नग 12 बोर बंदूक, 12 नग जिंदा सेल, एके 47 के 08 जिंदा राउण्ड, बीजीएल सेल छोटा 03 नग, ग्रेनेड 01 नग, नक्सल सामग्री व अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद द्य

पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुन्दरराज पी. ने बताया कि वर्ष 2024 में मिली निर्णायक बढ़त को आगे बढ़ाते हुए, वर्ष 2025 में भी बस्तर संभाग में प्रतिबंधित एवं गैरकानूनी सीपीआई (माओवादी) संगठन के विरुद्ध सुरक्षा बलों द्वारा सघन और निरंतर अभियान संचालित किए जा रहे हैं। इन अभियानों के तहत पिछले 19 महीनों (जनवरी 2024 से जुलाई 2025) में 425 हार्डकोर माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं, जो सुरक्षा तंत्र की प्रभावी रणनीति, साहसिक कार्रवाई और जनसमर्थन का प्रतीक है। पुलिस महानिरीक्षक ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि मानसून की कठिन परिस्थितियाँ–लगातार वर्षा, दुर्गम जंगल-पहाड़ी इलाके और जोखिमभरे रास्ते–भी सुरक्षा बलों के जोश और प्रतिबद्धता को डिगा नहीं पाई हैं। सभी बल कठिन भौगोलिक और मौसमीय चुनौतियों के बावजूद पूरे समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

वन भूमि पर अवैध कटाई व अतिक्रमण की ग्रामीणों ने की वन मंडलाधिकारी से शिकायत

बलरामपुर । जिला मुख्यालय के ग्राम पंचायत भनौरा एवं उसके आश्रित ग्राम अधौरा से लगे वन भूमि पर अवैध रूप से कटाई एवं कब्जा करने की शिकायत स्थानीय ग्रामीण जनप्रतिनिधियों एवं वन अधिकार समिति अध्यक्ष, सचिव सहित अन्य ग्रामीणों ने वनमंडलाअधिकारी से कर अतिक्रमण हटाने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि यहां लंबे समय से वनों की अवैध कटाई एवं वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण हो रहा है परंतु लगातार शिकायत करने के बाद भी कार्यवाही नहीं हो रही है जिससे वन भूमि पर अतिक्रमण नहीं रुक रहा है। इस संबंध में वन अधिकार समिति भनौरा के सचिव संजीव गुप्ता ने बताया कि डीएफओ निवास के पीछे से बैका नदी तक करीब 300 एकड़ जमीन में अवैध रूप से लगातार वनों की कटाई की जारी है वही वनों में अवैध रूप से कच्चा मकान भी निर्माण किया जा रहा है। कई बार हम लोगों के द्वारा वन विभाग को मौखिक एवं लिखित में सूचना दी गई परंतु कार्यवाही नहीं होने कारण वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण नहीं रुक पा रहा है। ग्राम पंचायत भनौरा के सचिव अरविंद मिंज ने कहा कि ग्राम पंचायत को सामुदायिक वन अधिकार पट्टा मिला है उसके बाद भी वन भूमि पर अवैध अतिक्रमण कटाई हो रहा है जो काफी चिंता का विषय है। वनमंडलाअधिकारी को ज्ञापन सौंपने के दौरान अरविंद मिंज, मधु कोडाकू, महमुद अंसारी, संजीव गुप्ता, दीपक गुप्ता, सीताराम, महादेव सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए कई बार ज्ञापन सौप चुके हैं ग्रामीण।

मन की बात' कार्यक्रम हम सभी को राष्ट्रहित में एकजुट होने, जनभागीदारी को मजबूत करने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर प्रेरित

पूर्व विधायक रंजना साहू ने कार्यकर्ताओं संग सुनी मन की बात

धमतरी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात कार्यक्रम के 124 वें संस्करण को संबोधित किया गया,धमतरी में पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू द्वारा कार्यकर्ताओं संग मन की बात सुना गया,कार्यक्रम पश्चात प्रेस नोट जारी करते हुए श्रीमती साहू ने कहा मन की बात' कार्यक्रम हम सभी को राष्ट्रहित में एकजुट होने, जनभागीदारी को मजबूत करने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर प्रेरित करता है,मोदी जी ने मन की बात के तहत देश के प्रत्येक क्षेत्र की काबिलियत और प्रतिभाओं को देश के सामने प्रस्तुत कर उन्हें राष्ट्र पटल पर सम्मान दिया है,जहाँ कभी कोई सरकार नहीं पहुँच सकी देश के उन कोने तबकों में रह रहे व्यक्तियों तक पहुँचने का कार्य मन की बात के तहत किया गया है,इसका उदाहरण है की जिस तरह देश की आज़ादी के समय खादी ने आज़ादी के आंदोलन को नई ताक़त दी थी उसी तरह आज विकसित भारत बनने की ओर बढ़ रहे भारत में टेक्सटाइल सेक्टर देश की ताक़त बन रहा है,जिसको बढ़ावा देने प्रधानमंत्री जी ने दस साल पहले 07 अगस्त को नेशनल हैंडलूम डे की तर्ज पर शुरुआत की,वहीं बच्चों के इनोवेशन को बढ़ावा देते हुए इन्स्पायर मानक अभियान के तहत नए स्टार्ट अप्स को बढ़ाया,इसी तरह उन्होंने विभिन्न विधाओं संस्कृतियों की बात करते हुए देश की अस्मिता को संवारा है,प्रधानमंत्री जी का प्रेरणादायक मार्गदर्शन सदैव हमें नई ऊर्जा प्रदान करता है, जनसेवा के पथ पर दृढ़ता से आगे बढ़ने और राष्ट्र निर्माण के कार्य में निरंतर जुटे रहने की प्रेरणा देता है। जन-जन को एक सूत्र में पिरोते हुए 'विकसित भारत निर्माण' के लिए मार्गदर्शन करने वाले इस संवाद हेतु मैं माननीय प्रधानमंत्री जी का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। उस दौरान पूर्व विधायक के साथ भाजपा नेता राकेश साहू,नेहा साहू,पंकज साहू उपस्थित रहे।

भैरव मंदिर जात्रा महोत्सव का भव्य आयोजन संपन्न

जगदलपुर। सावन माह में आयोजित किया जाने वाला रियासत कालीन प्राचीन भैरव मंदिर वार्षिक जात्रा महोत्सव पूरे उत्कल रीतिरिवाज और विधि विधान के साथ संपन्न हुआ

पूजा विधान हवन समाज के वरिष्ठ संस्थापक सदस्य पंडित बामदेव मिश्र, बीरेंद्र महापात्र, सुदर्शन दास द्वारा संपन्न कराया गया।पूजन हवन कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण सिंह देव, महापौर संजय पांडे, निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, एमआईसी सदस्य निर्मल पाणिग्रही, त्रिवेणी रंघारी, पार्षद एवं समाज के सदस्यों के अलावा बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल रहीं। कमेटी की नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों, सदस्यों महिला विंग, युवा विंग के पदभार पश्चात किए गए इस वृहद आयोजन को सफलता पूर्वक संपन्न किए जाने पर समाज के लोगों ने सराहना की है। समाज के अध्यक्ष राजेश दास व सचिव सुमीत महापात्र ने बताया कि पदभार ग्रहण करने के बाद सफलता पूर्वक हुए इस आयोजन में समाज के सभी सदस्यों ने पूर्ण सहयोग किया। उन्होंने समाज के सभी सदस्यों एवं सभी वर्गों जनप्रतिनिधियों का प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष समर्थन एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। पुजारी रमेश नंद ने बताया वे लगभग 30 वर्षो से बाबा की सेवा पूजा अर्चना कर रहे है। बाबा से जो भी सच्चे मन से मुराद5 मन्नत मांगता है, उसकी मुरादें जरूर पूरी होती हैं। हवन पूजन के पश्चात बलि प्रसाद का वितरण किया गया। समाज के कोषाध्यक्ष मनोज महापात्र ने बताया कि लगभग 300 से ज्यादा प्रसाद वितरित किए गए।

लव जिहाद : विशेष विवाह पर लगी रोक, युवक की भूमिका की जांच

कोरबा। कटघोरा की एक युवती को झांसे में लेने के बाद पश्चिम बंगाल के कोलकाता ले जाने और मस्जिद में कथित रूप से विवाह करने के प्रकरण को हाईकोर्ट छत्तीसगढ़ पहले ही अवैध करार दे चुका है। कटघोरा के तौसिफ मेमन ने इस मामले को कोरबा में विवाह अधिकारी के समक्ष लगाया था और अनुमति की मांग की थी। लंबी प्रक्रिया और युवती के परिवार व हिंदू संगठनों की आपत्ति के बाद फिलहाल विशेष विवाह पर ब्रेक लग गया है। इसके साथ ही युवक की भूमिका की जांच करने के लिए पुलिस को निर्देशित किया गया है।न्यायालय अपर कलेक्टर और विवाह अधिकारी जिला कोरबा की ओर से पत्र क्रमांक 9815 के माध्यम से पुलिस अधीक्षक को कहा गया है कि वह इस पूरे मामले में स्पष्ट रूप से जांच करने के साथ प्रतिवेदन उपलब्ध कराए। विशेष विवाह अधिनियम की धारा के तहत आवेदक तौसिफ मेमन ने आवेदन दिया था। इस परिप्रेक्ष्य में कटघोरा कसनिया निवासी युवती के परिजनों सहित विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं से जुड़े लोगों ने अपनी आपत्ति प्रशासन के समक्ष दर्ज कराई। इनमें अरविंद अग्रवाल, अवधेश सिंह, प्रभुचरण सिंह बिसेन, नरेश कुमार जगवानी, प्रकाशचंद जैन और मोहनलाल श्रीवास सहित अन्य संगठनों की आपत्ति मुख्य रही। अपर कलेक्टर न्यायालय की ओर से पुलिस अधीक्षक को कहा गया किअलग-अलग तिथियों में उपरोक्त व्यक्तियों से प्राप्त संबंधित पत्रों का अवलोकन किया जाए। इसमें तौसिफमेमन के द्वारा विशेष विवाह की अनुमति को लेकर आपत्ति दर्ज कराई गई है। संबधित पत्रों के माध्यम से कहा गया है कि आवेदक रोहंगिया मुस्लिम है जो कोलकाता के रास्ते बांग्लादेश से आकर कटघोरा में निवासरत है। लव जिहाद के साथ उत्तरप्रदेश के जलालुद्दीन उर्फ झंगुर बाबा से जुड़ा हुआ है। पीड़िता को डरा-धमका कर प्रलोभन देकर योजनाबद्ध साजिश के तहत कोलकाता पश्चिम बंगाल ले जाकर उस पर दबाव बनाया गया।

कोयला लोड ट्रकों के आवागमन और दबाव में जर्जर हुई बायपास रोड-जाम से लोग हुए त्रस्त

कोरबा। कोरबा नगर क्षेत्र की मानिकपुर कोल साइडिंग के लिए सेकंड एंट्री गेट के पीछे रेलवे ट्रैक के किनारे कोयला परिवहन करने वाले मालवाहकों के लिए वैकल्पिक सड़क बनी है। लेकिन सुगम आवाजाही व ज्यादा ट्रिप के चक्कर में मालवाहक बायपास रोड से आवाजाही करते हैं। इस वजह से बायपास मार्ग बदहाल हो गई है और स्टेशन पहुंचने वाले यात्री परेशान हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार रेलवे द्वारा शहरवासियों की सुविधा के लिए मानिकपुर छोर पर सेकंड एंट्री गेट की शुरूआत करते ही एसईसीएल ने उस हिस्से में कई दशक से वीरान पड़े कोल साइडिंग को फिर से शुरू कर दिया। जिसके बाद एसईसीएल के मानिकपुर खदान से निकलने वाले कोयले की साइडिंग के जरिए रेलवे के माध्यम से मालगाड़ी में परिवहन शुरू हो गया। इसके लिए प्रतिदिन करीब 200 मालवाहक खदान से कोल साइडिंग के बीच आवाजाही करते हैं। रेलवे क्षेत्र में कोल साइडिंग तक आवाजाही के लिए रेलवे ट्रैक के किनारे वैकल्पिक मार्ग होता है। शहर में भी सेकंड एंट्री गेट परिसर के पीछे रेलवे ट्रैक के किनारे वैकल्पिक मार्ग बना है, लेकिन उसमें गिनती के मालवाहक ही आवाजाही करते हैं, जबकि ज्यादातर मालवाहकों के चालक खदान से कोल साइडिंग के बीच आवाजाही के लिए मुड़ापार-इमलीडुग्गू बायपास का उपयोग करते हैं। लगातार कोल परिवहन के कारण बायपास सड़क पर कोल डस्ट की मोटी परत जम चुकी है, ऊपर से 24 घंटे भारी वाहनों का दबाव बना रहता है, जिससे रेलवे के सेकंड एंट्री गेट को मुड़ापार की ओर से जोड़ने वाले बायपास सड़क का हाल बदहाल हो चुका है। बायपास मार्ग से सेकंड एंट्री गेट की ओर से रेलवे स्टेशन आवाजाही करने वाले यात्री सहित अन्य क्षेत्रों के लिए सफर करने वाले यात्री परेशान हो रहे हैं। पहले शहर के बाहर बायपास सड़क न होने से कटघोरा, कुसमुंडा, गेवरा, दीपका जैसे

जनजातीय गौरव पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागी के रूप में देशना जैन

1 और 2 अगस्त को खैरागढ़ में होगा 2 दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार

देश के ख्यातिनाम विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, पीएचडी स्कॉलर होंगे शामिल

धमतरी । भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद दिल्ली एवं इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ के संयुक्त तत्वाधान में 2 दिवसीय जनजातीय गौरव राष्ट्रीय संगोष्ठी 1 एवं 2 अगस्त को खैरागढ़ विश्वविद्यालय में आयोजित है। इस संगोष्ठी में 40 से अधिक टॉपिक्स पर देश के अलग अलग हिस्सों से चयनित किए गए वक्ता अपनी बात रखेंगे। इस कार्यक्रम में वक्ताओं के द्वारा आदिवासियों की कला, संस्कृति, स्वतंत्रता आंदोलनों में उनके योगदान पर प्रकाश डाला जायेगा। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे आदिवासी बहुल राज्यों में जनजातीय वर्ग का गौरवशाली इतिहास रहा है। उनकी कला, उनकी संस्कृति उनकी प्राचीन परंपराओं की प्रमुख भूमिका औपनिवेशिक विरोध आंदोलनों में रही है। जेसिंटा केरकेट्टा, बिरसा मुंडा, तंत्या भील जैसे क्रांतिकारियों के योगदान, आदिवासी जीवन का प्रकृति के साथ संबंध, आदिवासी समाज का सांस्कृतिक अनुशीलन, प्रतिरोध आंदोलनों में आदिवासी महिलाओं की भूमिका, आदिवासी नायकों का जीवन और विरासत, छत्तीसगढ़ के महानायक शहीद ठाकुर वीर नारायण सिंह, जनजाति के लोकनायक बिरसा मुंडा, राजा शमशेर सिंह पारधी, प्रतिरोध के स्वर एवं महिला आदिवासी लेखन, हिंदी सिनेमा में प्रदर्शित आदिवासी छबि, मध्य प्रदेश के गोंड जनजातियों के शिल्पकला का संरक्षण, बस्तर विद्रोह, झारखंड में आदिवासी शिक्षा का रूपांतरण, भारतीय आदिवासी कला की राष्ट्रीय आंदोलनों में भूमिका इत्यादि विषयों पर दिल्ली विश्वविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी, जामिया मीलिया, लखनऊ विश्वविद्यालय सहित देश के ख्यातनाम विश्वविद्यालयों तथा छत्तीसगढ़ के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, रिसर्च स्कॉलर, शोधकर्ता और विषय विशेषज्ञ इस संगोष्ठी में हिस्सा लेंगे। धमतरी नगर के लिए गर्व की बात है कि नगर की बेटी देशना कविंद्र जैन इस संगोष्ठी में हिस्सा लेगी।

किसान भाईयों की खेती ने पकड़ी रफ्तार ,हरेली तिहार उत्साह से मनाया अब अच्छी फसल उम्मीद

किसान भाई धान के साथ फल फूल और सब्जी की भी अच्छी खेती कर रहे है

मुख्यमंत्री ने किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद और बीज उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

जशपुर। बरसात का मौसम है और किसान भाई बंधुओं की खेती-किसानी का समय किसानों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता

हरेली का त्योहार भी बड़े उत्साह से मनाया गया जहां उन्होंने पारंम्परिक औजार और ईश्वर की पूजा अर्चना कर अच्छी फसल की कामना की। जशपुर जिले के किसान भी अपने खेतो में थरा लगाकर अच्छी फसल की उम्मीद किए हैं। किसान दीलिप का कहना है कि खेती बाड़ी अगर सही तरीके से उपयोग किया जाए तो काफी लाभदाय होता है और किसानों को उपज का सही दाम भी मिलता है मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में किसानों को समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी भी की जा रही है जिससे किसानों को उनकी उपज का सही दाम मिल रहा है। किसानों को अच्छी फसल लेने के लिए मौसम और फसल का चयन बेहद जरूरी है। हर फसल का एक निर्धारित मौसम होता है जैसे धान वर्षा ऋतु में, गेहूं सर्दियों में। यदि किसान सही समय पर बोवाई और कटाई करते हैं, तो पैदावार अच्छी होती है।

भूमि की तैयारी

खेती का समय किसान को मिट्टी की उर्वरता बढ़ान और इसके लिए सही मौका देता है। इससे बीज अंकुरित होने की संभावना बेहतर होती है। किसानों को फसल लगाने से पहले अपने खेत की मिट्टी का परिक्षण और कृषि वैज्ञानिकों से सलाह जरूर लेनी चाहिए ताकि मिट्टी के अनुसार फसल लगाई जा सके। किसान भाई बंधुओं को कीटनाशक और खाद का सही उपयोग करना भी जरूरी है। मुख्यमंत्री ने सभी किसान भाई बंधुओं को सोसायटी के माध्यम से पर्याप्त मात्रा में खाद बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ताकि खेती बाड़ी करने में कोई समस्या न होने पाए। यदि किसान सही समय पर जैविक या रासायनिक खाद और कीटनाशक डालते हैं, तो फसल की रक्षा होती है और उत्पादन में वृद्धि होती है। किसान भाई बंधुओं को बाजार और कीमतें

पूर्व विधायक रंजना साहू ने कार्यकर्ताओं संग सुनी मन की बात

धमतरी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात कार्यक्रम के 124 वें संस्करण को संबोधित किया गया,धमतरी में पूर्व विधायक रंजना डीपेंद्र साहू द्वारा कार्यकर्ताओं संग मन की बात सुना गया,कार्यक्रम पश्चात प्रेस नोट जारी करते हुए श्रीमती साहू ने कहा मन की बात' कार्यक्रम हम सभी को राष्ट्रहित में एकजुट होने, जनभागीदारी को मजबूत करने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए निरंतर प्रेरित करता है,मोदी जी ने मन की बात के तहत देश के प्रत्येक क्षेत्र की काबिलियत और प्रतिभाओं को देश के सामने प्रस्तुत कर उन्हें राष्ट्र पटल पर सम्मान दिया है,जहाँ कभी कोई सरकार नहीं पहुँच सकी देश के उन कोने तबकों में रह रहे व्यक्तियों तक पहुँचने का कार्य मन की बात के तहत किया गया है,इसका उदाहरण है की जिस तरह देश की आज़ादी के समय खादी ने आज़ादी के आंदोलन को नई ताक़त दी थी उसी तरह आज विकसित भारत बनने की ओर बढ़ रहे भारत में टेक्सटाइल सेक्टर देश की ताक़त बन रहा है,जिसको बढ़ावा देने प्रधानमंत्री जी ने दस साल पहले 07 अगस्त को नेशनल हैंडलूम डे की तर्ज पर शुरुआत की,वहीं बच्चों के इनोवेशन को बढ़ावा देते हुए इन्स्पायर मानक अभियान के तहत नए स्टार्ट अप्स को बढ़ाया,इसी तरह उन्होंने विभिन्न विधाओं संस्कृतियों की बात करते हुए देश की अस्मिता को संवारा है,प्रधानमंत्री जी का प्रेरणादायक मार्गदर्शन सदैव हमें नई ऊर्जा प्रदान करता है, जनसेवा के पथ पर दृढ़ता से आगे बढ़ने और राष्ट्र निर्माण के कार्य में निरंतर जुटे रहने की प्रेरणा देता है। जन-जन को एक सूत्र में पिरोते हुए 'विकसित भारत निर्माण' के लिए मार्गदर्शन करने वाले इस संवाद हेतु मैं माननीय प्रधानमंत्री जी का हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ। उस दौरान पूर्व विधायक के साथ भाजपा नेता राकेश साहू,नेहा साहू,पंकज साहू उपस्थित रहे।

सलिहाभाठा में हाथियों ने रौंदी धान की फसल, नुकसान का सर्वे कल

कोरबा। पोड़ी उपरोड़ा सब डिवीजन के अंतर्गत सलिहाभाठा मानिकपुर क्षेत्र में हाथी उत्पात के कारण कुछ किसानों की फसल को नुकसान हुआ। हाथियों की झुंड ने यहां पहुंचकर हमला बोला। खरीफ सीजन में लगाई गई फसल और इसके लिए की गई मेहनत के चक्कर में लोग परेशान हैं। उन्होंने फारेस्ट और प्रशासन को इस बारे में अवगत कराया है। हल्का पटवारी धनश्री सिदार ने बताया कि घटना के बारे में दो दिन पहले उनके पास जानकारी पहुंची है। सोमवार को नुकसान का सर्वे किया जाएगा।जानकारी के अनुसार 20 जुलाई को पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड के अंतर्गत यह घटना हुई। यहां पर हाथियों ने न केवल खेतों में खड़ी फसल को तहस-नहस कर दिया।

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में लगेंगे 4000 नए बीएसएनएल टावर

डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर ने रायपुर में दूरसंचार और ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा की

रायपुर । केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित और दूरस्थ इलाकों में डिजिटल संचार को सशक्त बनाने हेतु 4000 नए बीएसएनएल टावर लगाने की योजना पर कार्य कर रही है। यह जानकारी ग्रामीण विकास और दूरसंचार राज्यमंत्री डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर ने शनिवार को रायपुर में दी। डॉ. शेखर ने कहा कि इन टावरों की स्थापना के लिए सुरक्षा बलों और वन विभाग से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद चरणबद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया,बीएसएनएल आज देश में उच्च गुणवत्ता की 4जी सेवाएं दे रहा है, और इस विस्तार के साथ हम देश के अंतिम गांव तक डिजिटल कनेक्टिविटी पहुँचाने के मिशन को साकार कर रहे हैं।डॉ. शेखर ने रायपुर में आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें ग्रामीण विकास विभाग, डाक विभाग, दूरसंचार विभाग और भारत संचार निगम लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान मंत्री ने राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री आवास योजनाङ्कग्रामीण और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी योजनाओं के तेज़ और प्रभावशाली क्रियान्वयन पर संतोष जताया। उन्होंने कहा कि ये योजनाएं ग्रामीण आधारभूत संरचना और आवास क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन ला रही हैं। राज्यमंत्री ने स्वयं सहायता समूहों की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में 'पिंक ऑटो' जैसे नवोन्मेषी प्रयास किए जा रहे हैं, जिसके तहत महिलाओं को स्वामित्व वाले पिंक ऑटो प्रदान किए जा रहे हैं। यह पहल अन्य राज्यों के लिए भी एक अनुकरणीय उदाहरण बन सकती है।उन्होंने कहा की, एसएचजीएस को विभिन्न योजनाओं से जोड़कर उन्हें वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और विपणन अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और स्वरोजगार के अवसरों में वृद्धि हो रही है, डॉ. शेखर ने बताया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों कोमिशन मोड में लागू किया जा रहा है। इन क्षेत्रों में सेवाएं घर-घर तक पहुँचाने की रणनीति अपनाई जा रही है। उन्होंने कहा किइन क्षेत्रों में विद्यालयों का डिजिटलीकरण किया जा रहा है, जिससे छात्रों को अब छ्थ्थ्र, ह्थ्थ्ञ जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में मदद मिल रही है। इसके साथ ही, दिव्यांग छात्रों के लिए विशेष सुविधाएं भी प्रदान की जा रही हैं, जो एक संवेदनशील और समावेशी पहल है। अपने संबोधन के अंत में डॉ. शेखर ने कहा,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाएं अब समाज के अंतिम पंक्ति के नागरिक तक पहुँच रही हैं। वंचित, आदिवासी और दुर्गम क्षेत्रों में भी अब तेज़ विकास और परिवर्तन देखा जा रहा है।उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि डिजिटल, भौतिक और सामाजिक बुनियादी ढांचे को एकीकृत रूप से मजबूत कर 'सबका साथ, सबका विकास' को धरातल पर उतारा जाए।

तोमर बंधुओं के कार्यालय पर चला बुलडोजर, डिप्टी सीएम शर्मा ने कहा-विष्णुदेव सरकार में सुशासन है, तो सुदर्शन चक्र भी है

रायपुर । राजधानी रायपुर में नगर निगम की टीम ने रविवार को एक बड़ी कार्रवाई की है। नगर निगम की टीम ने ब्लैक मेलिंग और सूदखोरी के मामले में फरार हिस्ट्रीशीटर तोमर बंधुओं के ऑफिस पर बुलडोजर चलाकर ढहा दिया है। बताया जा रहा है तोमर बंधुओं ने भाठागांव में नियमों के खिलाफ अपने ऑफिस का निर्माण किया था, जिसे निगम की टीम ने ढहा दिया है।

ऑफिस से चलता था सूदखोरी का धंधा

रोहित सिंह तोमर और वीरेंद्र सिंह तोमर ब्लैकमेलिंग और सूदखोरी के मामले में पिछले दो महीने से फरार चल रहे हैं। वहीं रोहित तोमर ने भाठागांव में अपनी पत्नी भावना के नाम पर ऑफिस खोल रखा था। जहां से सूदखोरी का काम किया जाता था। ऑफिस का निर्माण नियमों के खिलाफकिया गया था, जिसे नगर निगम की टीम ने बुलडोजर चलाकर ढहा दिया।

शर्मा ने सोशल मीडिया में यह लिखा

नगर निगम की इस कार्रवाई को लेकर छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि 'विष्णुदेव सरकार में सुशासन है तो चक्र सुदर्शन भी है। किसी मंत्री-मुख्यमंत्री के साथ फोटो खिंचवाने से कोई कानून से बड़ा नहीं हो जाता। अपराधी तोमर ने अनेक लोगों को पीड़ा पहुंचाई है।'

तोमर बंधुओं पर 6 केस दर्ज

उल्लेखनीय है कि वीरेंद्र सिंह तोमर और रोहित सिंह तोमर पर सूदखोरी, धमकी, ब्लैकमेलिंग से जुड़े 6 केस दर्ज है। जो कि पिछले दो महिने से फरार चल रहे हैं। इतना ही नहीं दोनों भाईयों को 18 जुलाई को कोर्ट में पेश होना था, लेकिन वे दोनों नहीं पहुंचे। जिसके बाद कोर्ट ने पुलिस की अर्जी पर दोनों भाईयों को फरार घोषित करते हुए उद्घोषणा जारी की है।

अवैध शराब बेचते रंगे हाथ पकड़ा गया आरोपी, 50 पौवा देशी शराब जब्त

रायपुर। रायपुर पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ अपनी मुहिम जारी रखते हुए एक बड़ी कार्रवाई की है। कोतवाली थाना क्षेत्र के चांदनी चौक के पास से एक व्यक्ति को अवैध रूप से शराब बेचते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से 50 पौवा देशी शराब, बिक्री की रकम और घटना में प्रयुक्त एक दोपहिया वाहन जब्त किया गया है। जब्त किए गए सामान की कुल कीमत लगभग 50,000 रुपये बताई जा रही है।

पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने सभी राजपत्रित अधिकारियों, थाना प्रभारियों और एंटी क्राइम एवं साइबर यूनिट को अन्य राज्यों से होने वाली शराब तस्करी के साथ-साथ अवैध रूप से शराब की खरीद-बिक्री करने वालों पर भी सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसी के तहत, रायपुर पुलिस लगातार सूचनाएं एकत्रित कर और मुखबिरों की मदद से ऐसे लोगों का पता लगा रही है।

चांदनी चौक से हुई गिरफ्तारी

इसी क्रम में, दिनांक 26.07.2025 को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम को सूचना मिली कि थाना कोतवाली क्षेत्रांतर्गत चांदनी चौक के पास एक निर्माणाधीन भवन में एक व्यक्ति दोपहिया वाहन पर अवैध रूप से शराब रखे हुए है और उसकी बिक्री कर रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर, आरोपी को शराब के साथ रंगे हाथ पकड़ने के लिए एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने उक्त स्थान पर दबिश दी।

मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए के व्यक्ति को चिन्हित कर पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम विनोद निहाल (पिता गोपी निहाल, उम्र 18 साल, निवासी छत्तीसगढ़ कॉलेज के पास, बैरन बाजार, थाना कोतवाली, रायपुर) बताया। जब उससे शराब रखने और बेचने के संबंध में वैध दस्तावेज मांगे गए, तो विनोद निहाल कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया और टीम के सदस्यों को लगातार गुमराह करने का प्रयास कर रहा था।

कुल 50,000 रुपये का मशरूका जब्त

पुलिस टीम ने आरोपी विनोद निहाल को

छत्तीसगढ़ में हजारों राशनकार्ड धारकों के राशनकार्ड हो सकते हैं निरस्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ में हजारों राशनकार्ड धारकों को बड़ा झटका लग सकता है। राज्य की सरकार इनके राशनकार्ड निरस्त कर सकती है। इसकी वजह है इन कार्ड का ई-केवाईसी नहीं होना। सत्यापन नहीं होने की वजह से ही राशनकार्ड कैंसिल किये जाने की आशंका जाहिर की जा रही है।दरअसल राज्य सरकार के खाद्य विभाग की तरफ से राशनकार्डों का सत्यापन कराया जा रहा है। इसके लिए ई-केवाईसी की जरूरत है। सरकारी निर्देश मुताबिक़ कार्डधारकों को नजदीकी राशन की दुकानों में जाकर अपने राशनकार्ड का ई-केवाईसी कराना अनिवार्य किया गया था। हालांकि अब इसकी मियाद ख़त्म हो चुकी है जबकि 38 लाख लोगों ने यह नहीं कराई है, ऐसे में अब उनके राशन कार्ड निरस्त किये जाने की आशंका जाहिर की जा रही है। फ़िलहाल खाद्य विभाग ई-केवाईसी नहीं कराये गए राशनकार्ड के भौतिक सत्यापन में जुटा हुआ है। बता दें कि, छत्तीसगढ़ में फ़िलहाल 81 लाख राशन कार्ड धारक है। जबकि इन राशनकार्ड के हितग्राहियों की संख्या करीब 2 करोड़ 73 लाख है।कितनों का हो सकता है भारत सरकार के एक राष्ट्र, एक राशनकार्ड योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में आधार प्रमाणीकरण आधारित खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित किया जा रहा है। इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से लागू करने हेतु सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़े सभी राशनकार्डधारकों के परिवार के सदस्यों का ई-केवायसी अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाना आवश्यक है। भारत सरकार द्वारा 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को ई-केवायसी से छूट प्रदान की गई है। मोबाइल से भी हो सकता है केवायसी

खाद्य सचिव रीना कंगाले ने जानकारी दी कि राज्य की सभी उचित मूल्य दुकानों में ई-पॉस मशीनों के माध्यम से ई-केवायसी की सुविधा उपलब्ध है। इसके साथ ही भारत सरकार द्वारा विकसित मेरा ई-केवायसी मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से भी हितग्राही अपने स्मार्टफोन से घर बैठे स्वयं ई-केवायसी कर सकते हैं। मेरा ई-केवायसी एप्प के माध्यम से ई-केवायसी करने हेतु एंड्रायड मोबाईल में गूगल प्ले स्टोर से एप्प डाउनलोड कर हितग्राही राज्य का चयन कर अपना आधार नंबर डालकर, आधार ओटीपी के माध्यम से फेस ई-केवायसी कर सकते है।

मुंगेली में पहल अभियान के तहत कार्यशाला आयोजित

मुंगेली। मुंगेली जिले में पुलिस विभाग द्वारा चलाए जा रहे 'पहल' अभियान के तहत स्वामी आत्मानंद विद्यालय दाउपारा में एक शिक्षक-शिक्षार्थी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिला कलेक्टर श्री कुंदन कुमार (आईएएस) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि मुंगेली पुलिस अधीक्षक श्री भोजराम पटेल (आईपीएस) के निर्देशन में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को साइबर अपराध, यातायात नियमों का पालन, नशामुक्ति और बच्चों व महिलाओं से संबंधित अपराधों के बारे में जागरूक करना था। दिनांक 25.07.2025 को आयोजित इस जागरूकता कार्यक्रम में जिले के कुल 23 विद्यालयों से 104 विद्यार्थी और शिक्षक/शिक्षिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला के दौरान जिला कलेक्टर श्री कुंदन कुमार और पुलिस अधीक्षक श्री भोजराम पटेल ने उपस्थित विद्यार्थियों को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी।

एनसीसी स्काउट्स ने किया बिलासपुर यातायात पुलिस के कार्यों का प्रत्यक्ष अवलोकन

सड़क सुरक्षा जागरूकता में भी दिया योगदान

बिलासपुर । बिलासपुर यातायात पुलिस द्वारा शहर में सुगम, सुरक्षित और व्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के प्रयासों के तहत आज एनसीसी स्काउट्स के छात्र-छात्राओं ने यातायात पुलिस के विभिन्न इकाइयों के कर्तव्य निर्वहन का प्रत्यक्ष अवलोकन किया। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सामाजिक सरोकारों से परिचित कराना और उन्हें कानून के पालन के प्रति जिम्मेदार बनाना था।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह के दिशा-निर्देशन में और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) रामगोपाल करियारे के नेतृत्व में, यातायात पुलिस बिलासपुर लगातार यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक कर रही है। इसके साथ ही, जहाँ आवश्यक हो वहाँ सुधारात्मक और समाधान कारक प्रयास किए जा रहे हैं, जबकि नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी सुनिश्चित की जा रही है। इसी कड़ी में, देश के विभिन्न नियमों, कानूनों और मूल्यों के प्रति सजगता बढ़ाने और युवाओं में राष्ट्रप्रेम की भावना विकसित करने के उद्देश्य से, एनसीसी के छात्र-छात्राओं को आज शहर के अनेक चौक-चौराहों और मुख्य मार्गों पर तैनात यातायात पुलिसकर्मियों की 24×7 ड्यूटी और उन्हें जिन परिस्थितियों से गुजरना पड़ता है, उसका प्रत्यक्ष अनुभव कराया गया। सुबह 10 बजे से शाम 3 बजे तक छात्रों को यातायात पुलिस जवानों के साथ रहने का अवसर मिला।इस दौरान, एनसीसी स्काउट्स ने यातायात नियमों का गंभीरता से पालन करने वाले राहगीरों को गुलाब के फूल भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने ऐसे वाहन चालकों से यातायात नियमों का उल्लंघन न करने और शहर में सरल, सुगम और सुचारु आवागमन हेतु संयम, धैर्य, ट्रैफिक सेंस और अनुशासन के साथ वाहन चलाने का आग्रह किया। विशेष रूप से, हेलमेट और सीट बेल्ट पहनकर एक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य निभाने वाले सभी वाहन चालकों को गुलाब के फूल और बुके भेंट कर सम्मानित किया गया।एनसीसी स्काउट्स ने आबकारी आरक्षक परीक्षा देने आए लगभग 35,000 छात्र-छात्राओं, अभिभावकों और उनके परिजनों की परीक्षा के बाद वापसी के दौरान यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने में बिलासपुर यातायात पुलिस की भूमिका का भी साथ मिलकर अवलोकन किया। उन्होंने यातायात पुलिस के साथ मिलकर समस्त वाहन चालकों को सुविधापूर्वक मार्ग प्रदान करने में अपने महत्वपूर्ण सामाजिक सरोकार का निर्वहन किया।

यह उल्लेखनीय है कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के दौरान राज्य भर से और जिले के विभिन्न गाँवों से परीक्षार्थी बिलासपुर आते हैं, जिससे शहर के यातायात दबाव वाले स्थानों पर गाड़ियों का जमावड़ा हो जाता है और यातायात व्यवस्था एक चुनौतीपूर्ण कार्य बन जाती है। इस पहल से एनसीसी कैडेट्स को राष्ट्रप्रेम के साथ-साथ देश सेवा में लगी पुलिस सेवा और अन्य सुरक्षा निकायों की कार्यप्रणाली की समझ विकसित करने का अवसर मिला। उन्हें प्रत्यक्ष रूप से राष्ट्र और देश की सेवा में समर्पित पुलिस और सुरक्षा अधिकारियों-कर्मचारियों के कर्तव्य निर्वहन और उनकी सार्वजनिक सेवा की परिस्थितियों से रूबरू होने का मौका मिला।

इस दौरान विभिन्न चौक-चौराहों पर यातायात पुलिस के अधिकारी निरीक्षक, यातायात पुलिस के पॉइंट ड्यूटी पर तैनात सभी अधिकारी-कर्मचारी, पेट्रोलिंग ड्यूटी पर तैनात अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में एनसीसी के स्काउट छात्र-छात्राएं और प्रशिक्षक मौजूद थे।

ऑपरेशन शंखनाद : पत्थलगांव पुलिस ने गौवंश मांस के साथ 5 आरोपियों को दबोचा, जेल भेजा

जशपुर। जशपुर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन शंखनाद के तहत पत्थलगांव पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गौवंश मांस के साथ पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी गौवंश का वध कर उसका मांस खाने और बेचने की तैयारी कर रहे थे। सभी आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दिनांक 26.07.2025 को थाना पत्थलगांव पुलिस को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी। सूचना में बताया गया था कि ग्राम तिलडेगा कटंगतराई निवासी चनेश राम केरकेट्टा (40 वर्ष) अपने तीन-चार साथियों के साथ मिलकर अपने घर की बाड़ी में गौवंश का वध किया है और अब उसका मांस काटकर खाने व बिक्री के लिए हिस्सा बांटने वाले हैं।

इस सूचना पर पत्थलगांव पुलिस ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को अवगत कराया और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर श्री शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देशन में तत्काल मुखबिर द्वारा बताए गए स्थान पर दबिश दी गई। पुलिस टीम ने चनेश राम केरकेट्टा की बाड़ी की घेराबंदी की, जहां पांच व्यक्ति गौवंश के मांस का हिस्सा बंटवारा करते हुए पाए गए।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से सभी पांचों आरोपियों को हिरासत में ले लिया।

किसानों की आस्था से खिलवाड़ का विरोध -एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राजा देवांगन ने खेत में उतरकर जताया विरोध

रायपुर । छत्तीसगढ़ में किसान जिस मिट्टी को पूजते हैं, कुछ नेता आज उसी मिट्टी की मेहनत का मज़ाक उड़ा रहे हैं। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष राजा देवांगन ने अपने साथियों के साथ आज खेत में उतरकर कुर्सी रखकर प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े द्वारा कुर्सी में बैठकर रोपा लगाने के दिखावटी प्रचार के खिलाफ्रधान का खेत हमारी अस्मिता है, फोटोशूट की जगह नहीं। कुर्सी में बैठकर रोपा लगाना किसानों के खून-पसीने का अपमान है।

प्रदर्शन के दौरान जब राजा देवांगन व उनके साथी खेत में पहुंचे, वहां काम कर रहीं महिला किसानों ने खुलकर बताया कि अब तक उन्हें डीएपी खाद नहीं मिला है। गांव-गांव में व्यापारी कालाबाजारी कर रहे हैं और खाद ब्लैक में बेचा जा रहा है। प्रशासन और सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। कृषि का मौसम निकल रहा है, लेकिन खाद की कमी और सरकार की चुप्पी ने किसानों को गहरा नुकसान पहुंचाया है,राजा देवांगन ने खेत में मौजूद किसानों की बात सुनने के बाद यह बात कही।

एनएसयूआई की माँगें मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े को किसानों से सार्वजनिक माफ़ी माँगनी चाहिए। डीएपी खाद की उपलब्धता तत्काल सुनिश्चित की जाए और कालाबाज़ारी में शामिल दुकानदारों पर सख्त कार्रवाई हो। किसानों से जुड़ी हर योजना की जमीनी निगरानी की जाए, केवल कागज़ और कैमरे पर नहीं।राजा देवांगन ने कहा एक ओर हम खेत में उतरकर किसानों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं सुन रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सत्ता पक्ष के नेता प्रचार की कुर्सी से नीचे उतरने को तैयार नहीं। छत्तीसगढ़ की अस्मिता को धूल में मत मिलाइए, किसान की पीड़ा को समझिए।

इस दौरान पारस मणि साहू ,पोटियाडीह उप सरपंच राजीव गिरी गोस्वामी ,प्रशांत शर्मा ,तेजप्रताप साहू ,उमेश साहू ,गजेंद्र साहू ,सुनील सिन्हा ,सुदीप सिन्हा ,हार्दिक साहू ,समीर मानिकपुरी ,माही साहू ,पुणेश हिरवानी उपस्थित रहे।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

आतंकवाद कतई बर्दाश्त नहीं

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने आतंकवाद, अलगाववाद व उग्रवाद की चुनौती से सख्ती से निपटने के उद्देश्यों पर अडिग रहने का आह्वान करते हुए कहा, भारत आतंकवाद कतई बर्दाश्त नहीं करेगा। वह बीजिंग में शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में नृशंस आतंकवादी हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने इन तीनों चुनौतियों के अक्सर साथ आने की बात भी की। आतंकियों, प्रायोजकों, आयोजकों व वित्त पोषकों को जवाबदेह बनाने तथा न्याय के कठघरे में लाने की जरूरत पर भी बल दिया। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बल दिया कि अशांत और बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के मद्देनजर संगठन को कुशलतापूर्वक कार्य करना होगा। शी ने क्षेत्रीय सुरक्षा, स्थिरता की रक्षा व सदस्य देशों के विकास की बात भी की। इस सम्मेलन में दस अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों के अतिरिक्त बीस से ज्यादा देशों के शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है।

कुछ भवरों ने कलियों को छेड़ा।

छूटे कुछ पल,
बीते कुछ पल,
कुछ पलों ने दिल को छुआ,
कुछ पलों ने मन को दी पीड़ा,
कुछ पल थे सादे सादे,
कुछ पलों में थी रोशनाई,
कुछ पलों ने बगिया अपनाई,
कुछ भवरों ने कलियों को छेड़ा,
कुछ कलियां भी बहुत शरमाई,
कुछ पुष्प साथ छोड़ गए,
कुछ फूलों ने गगन को चूमा,
कुछ फूल धरा पर लेट गए,
कुछ भृमर कानों में मधु रस घोल गए,
कुछ पल वियोग का रस छोड़ गए,
चलो भूले कल की तरुणाई को,
आया तेजस्वी युवा सवेरा है,
सूरज की रोशनी में,
ऊर्जा शक्ति का बसेरा है,
स्वीकारे, नव पल की स्फूर्त किरणों को,
नव संकल्प, नव उद्देश,नव आशाओं का,
स्वागत करें ईश्वर के आशीर्वचनो का,
नवीन मीठे आस्था से ओत प्रोत पलो के संग संग,
समस्त मंगल कामनाएओं के साथ ,

– संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp

Modimaya_ Vaidik_Netritva

Rashtriya Ekta

DLF-Vadra-Bhrasht Tantra

Silent Assassins Jan11,1966

Accursed & Jihadi Neighbour

मनसा का मातम : अफवाह बनी त्रासदी की वजह

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में बिजली का तार टूटने और करंट फैलने की एक अफवाह ने कई जानें ले लीं, जिसने धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है। किसी धार्मिक स्थल पर भगदड़ की यह पहली घटना नहीं, लेकिन अफसोस है कि पुरानी गलतियों से सबक नहीं लिया जा रहा। ऐसी त्रासद, विडम्बनापूर्ण एवं दुखद घटनाओं के लिये मन्दिर प्रशासन और सरकारी प्रशासन जिम्मेदार है, रविवार की सुबह एक बार फिर श्रद्धालुओं के लिये मौत का मातम बनी, चीख, पुकार और दर्द का मंजर बना। लगभग साढ़े आठ से नौ बजे के बीच हजारों श्रद्धालु संकीर्ण सीढ़ीदार मार्ग से मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। जैसे ही अचानक करंट लगने की अफवाह ने अफरा-तफरी का माहौल बनाया, श्रद्धालु घबराहट में एक-दूसरे पर गिरने लगे और कुछ ही पलों में आठ लोगों की मौत हो गई जबकि करीब तीस श्रद्धालु घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर थी। भगदड़ में लोगों की जो दुखद मृत्यु हुई, उसका दर्द समूचा देश महसूस कर रहा है। प्रश्न है कि पुलिस का बंदोबस्त कहां था? श्रद्धालुओं की मौत एक ऐसा दर्दनाक एवं खौफनाक वाकया है जो सुदीर्घ काल तक पीड़ित और परेशान करेगा। प्रशासन की लापरवाही, अत्यधिक भीड़, निकासी मार्गों की कमी और अव्यवस्थित प्रबंधन ने इस त्रासदी को जन्म दिया। यह घटना कोई अपवाद नहीं है, बल्कि हाल के वर्षों में दुनिया भर में सामने आई ऐसी घटनाओं की कड़ी का नया खौफनाक मामला है, जहां भीड़ नियंत्रण में चूक एवं प्रशासन एवं सत्ता का जनता के प्रति उदासीनता का गंभीर परिणाम एवं त्रासदी का ज्वलंत उदाहरण है। मनसा के मातम, हाहाकार एवं दर्दनाक मंजर ने राज्य की सुरक्षा व्यवस्था की पोल ही नहीं खोली बल्कि सत्ता एवं धार्मिक व्यवस्थाओं के अमानवीय चेहरे को भी बेनकाब किया है।

भारत में भीड़ से जुड़े हादसे आम लोगों के जीवन का ग्रास बनते रहे हैं। धार्मिक आयोजनों हो या खेल प्रतियोगिता, राजनीतिक रैली हो या सांस्कृतिक उत्सव लाखों लोगों को आकर्षित करते हैं, जहाँ भीड़ प्रबंधन की मामूली चूक भयावह त्रासदी में बदलते हुए देखी जाती रही है। उदाहरण के लिये, पिछले एक साल पर नजर दौड़ाएं तो इस तरह के कई दुखद हादसे हो चुके हैं। हाल ही में पुरी में भगदड़ जानलेवा साबित हुई। पिछले साल जुलाई में ही हाथरस में एक धार्मिक आयोजन में मची भगदड़ में 121 लोगों की मौत हो गई थी। इस साल जनवरी की शुरुआत में तिरुपति मंदिर में टोकन लेने के लिए हद से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच गए और पुलिस उनको काबू नहीं कर सकी। भगदड़ मची तो 6 लोगों की जान चली गई। इसी साल, मौनी अमावस्या पर महाकुंभ में और उसके बाद नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भी हादसा हुआ। वर्ष 2013 में मध्य प्रदेश के रत्नागढ़ मंदिर में ढाँचागत कमियों से प्रेरित भगदड़ के कारण 115 लोगों की मौत हो गई थी।

भारत ही नहीं दुनिया में धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन हमेशा से बड़ी चुनौती बनता रहा है। वर्ष 2022 में दक्षिण कोरिया के इटावन हैलोवीन समारोह में अत्यधिक भीड़ के कारण 150 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। इसी तरह, वर्ष 2015 में मक्का में हज के दौरान मची भगदड़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। आग, भूकंप, या आतंकी हमलों जैसी आपातकालीन स्थितियों में भी भीड़ प्रबंधन की पोल खुलती रही है। आखिर दुनिया के सर्वाधिक जनसंख्या वाले देश में हम भीड़ प्रबंधन को लेकर इतने उदासीन क्यों है? बड़े आयोजनों-भीड़ के आयोजनों में भीड़ बाधाओं को दूर करने के लिए, भीड़ प्रबंधन के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार, सुरक्षाकर्मियों को पर्याप्त प्रशिक्षण प्रदान करना, जन जागरूकता बढ़ाना और आधुनिक तकनीकों का उपयोग करना अब नितान्त आवश्यक है। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा के ढाक के तीन पात वाला है। न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम जनता संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की आवश्यकता समझ रही है। भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला कायम रहने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश की बदनामी भी होती है, क्योंकि इन घटनाओं से यही संदेश जाता है कि भारत का शासन-प्रशासन भगदड़ रोकने में पूरी तरह नाकाम है। सार्वजनिक स्थलों पर भगदड़ की घटनाएं दुनिया के अन्य देशों में भी होती है, लेकिन उतनी नहीं जितनी अपने देश में होती ही रहती हैं। क्या इस तरह की अफवाह को रोका नहीं जा सकता था? हमारा प्रशासन कोई अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है? क्या इसका कारण उसकी संवेदनहीनता है अथवा यह कि संबंधित अधिकारी यह जानते हैं कि कैसी भी घटना हो जाए, उनका कुछ नहीं बिगड़ने वाला। आखिर हम दुनिया के अन्य देशों से कोई सबक सीखने के लिए तैयार क्यों नहीं हैं? सबसे बड़ा सवाल है कि क्या धार्मिक स्थलों पर भीड़ प्रबंधन की कोई ठोस और वैज्ञानिक व्यवस्था है? मनसा देवी मंदिर की सीढ़ियां, संकरे रास्ते और अव्यवस्थित दुकानों के बीच का क्षेत्र लंबे समय से भीड़भाड़ के लिए जाना जाता है। फिर भी वहां कोई स्थायी सुरक्षा उपाय क्यों नहीं किए गए? अफवाह पर नियंत्रण के लिए कोई त्वरित सूचना तंत्र नहीं था, न ही भीड़ को दिशा देने के लिए पर्याप्त पुलिस बल या मार्गदर्शन की व्यवस्था थी। इस तरह की घटनाएं केवल अफवाह का परिणाम नहीं होतीं, बल्कि यह व्यवस्था की कमजोरियों एवं कोताही का परिणाम होती हैं। तीर्थस्थलों पर नियंत्रित प्रवेश, डिजिटल टिकटिंग, सीसीटीवी निगरानी, आपातकालीन निकासी मार्ग, और स्थानीय प्रशासन की सक्रिय मौजूदगी जैसी व्यवस्थाएं अनिवार्य होनी चाहिए। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि भगदड़ की घटनाएं लगभग वैसे ही कारणों से रह रहकर होती रहती हैं, जैसे पहले हो चुकी होती हैं।

मृतकों में उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड के लोग शामिल थे। उनमें छह वर्षीय बच्चा आरुष, किशोर और बुजुर्ग तक शामिल थे। उनके परिवारों पर अचानक दुख का पहाड़ टूट पड़ा। इस दौरान बचे हुए श्रद्धालुओं ने बताया कि भीड़ इतनी घनी थी कि सांस लेना भी मुश्किल हो रहा था। मनसा देवी मंदिर की यह घटना हमें याद दिलाती है कि भीड़ सिर्फ भक्ति का प्रतीक नहीं है, बल्कि अगर उसे सही दिशा और सुरक्षा नहीं दी जाए तो वह भयावह त्रासदी में बदल सकती है। यह समय है कि प्रशासन, मंदिर ट्रस्ट और समाज मिलकर ठोस कदम उठाएं ताकि आस्था के केंद्र जीवन के लिए खतरा न बनें। तमाम धार्मिक स्थलों पर फैली अव्यवस्था को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। फिसलन भरे रास्ते, संकरी जगह, आने-जाने का एक ही मार्ग जैसी बातें लगभग हर जगह देखने को मिल जाएंगी। ऐसे में जब किसी खास मौके पर भीड़ बढ़ती है तो स्वाभाविक ही हादसे की आशंका भी बढ़ जाती है, जैसा सावन पर मनसा देवी में हुआ। बेंगलुरु में आरसीबी के इवेंट में हुए हादसे के बाद कर्नाटक सरकार क्राउड कंट्रोल पर एक बिल लेकर आई है, जिसमें जिम्मेदारियां तय की गई हैं। ऐसे कानून की हर जगह जरूरत है। रेलवे स्टेशन, मंदिर और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त जगह और रास्ते नहीं हैं। कुछ स्थानों पर निकास मार्ग सीमित हैं या अनुपयुक्त हैं, जो भगदड़ का खतरा बढ़ाते हैं। भीड़ प्रबंधन के लिए पर्याप्त प्रशिक्षित एवं दक्ष सुरक्षाकर्मी नहीं हैं, जिससे सुरक्षा चूक होने की संभावना बढ़ जाती है। भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों, जैसे कि एआई आधारित निगरानी और ड्रोन कैमरे का उपयोग सीमित है। लोगों को आपातकालीन निकास मार्गों, भीड़ नियंत्रण नियमों, और सुरक्षा उपायों के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं है। गलत सूचना या अचानक दहशत से भीड़ अनियंत्रित हो सकती है और भगदड़ मच सकती है। भीड़ का व्यवहार कई बार अनियंत्रित हो जाता है, खासकर धार्मिक, खेल एवं सिनेमा आयोजनों में, जहां लोग भावनाओं में बहकर आगे निकलने की होड़ में लग जाते हैं। अच्छा यह होगा कि सरकारें भगदड़ की घटनाओं को लेकर प्रशासन को सच में जवाबदेह बनाना सीखें। इसके साथ ही आम लोगों को भी जापान जैसे देशों के लोगों से अनुशासन की सीख लेनी होगी।

यह निजी विचार है।

भारत के समक्ष आर्थिक और सैन्य चुनौतियां

जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय भारत के समक्ष जो आर्थिक और सैन्य चुनौतियां हैं, उनके मद्देनजर भारत को दुनिया की नई वैकि आर्थिक शक्ति और उन्नत परमाणु शक्ति बनना जरूरी है।

चार जुलाई को भारतीय सेना के डिप्टी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने न सिर्फ पाकिस्तान को हराया, बल्कि पाकिस्तान को परोक्ष रूप से हरसंभव सहायता देने वाले चीन और तुर्किए को भी हराया है।

यद्यपि एक जुलाई से 31 जुलाई तक एक माह के लिए पाकिस्तान के संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष बनने के बाद वह अध्यक्ष के रूप में कोई विशेष शक्ति नहीं रखता, फिर भी उसने भारत के हितों को नुकसान पहुंचाने के कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। ऑपरेशन सिंदूर में बुरी तरह पिटने के बाद भी पाकिस्तान की अकड़ कम नहीं हुई है। पाकिस्तान की सरकार और उसके सेना प्रमुख आसिम मुनीर भारत को बार-बार गीदड़ भभकी देने से बाज नहीं आ रहे हैं। 30 जून को मुनीर ने जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को वैध संघर्ष बताते हुए कहा कि उनका देश कश्मीर के लोगों के संघर्ष में हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। भारत को मात देने के लिए चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश मिल कर नया सार्क बनाने की तैयारी कर रहे हैं।

इस नये सार्क में दक्षिण एशिया के अन्य देशों को भी शामिल करने की तैयारी है। ऐसे में देश के पड़ोसी दुश्मन देशों पाकिस्तान और चीन के बढ़ते नापाक गठबंधन और उनके द्वारा लगातार आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने के परिदृश्य के मद्देनजर भारत को नई आर्थिक शक्ति और नये दौर के उन्नत परमाणु हथियारों की क्षमताओं से सुसज्जित होना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि इजरायल-ईरान युद्ध और आपरेशन सिंदूर के तहत भारत-पाकिस्तान संघर्ष के परिणामों का विश्लेषण बताता है कि युद्ध में नई एआई तकनीक और आर्थिक ताकत की अहमियत दिखाई दी है, और परमाणु हमले की धमकी बेअसर साबित हुई है।

लेकिन अब पाकिस्तान द्वारा चीन के सहयोग से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल जैसे हथियार विकसित किए जाने के मद्देनजर भारत के लिए उन्नत परमाणु शक्ति-संपन्न देश बनना भी जरूरी है। चूंकि शक्ति के माध्यम से ही शांति आती है, और शक्ति से ही भविष्य के युद्ध भी रोके जा सकते हैं, अतएव भारत को हर मोर्चे पर शक्तिशाली बनाने के सपने को साकार करने के लिए देश के आसमान छूते वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी-कारोबारी और पूरे देश का जन-बल एकजुटता से कदम बढ़ाते दिखाई दे रहे हैं। गौरतलब है कि पिछली 24 जून को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि पिछले 11 वर्षों में सरकार ने आर्थिक-सामरिक क्षेत्र को मजबूत बनाया है। आतंकवाद के प्रति कठोर नीति अपनाई है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने महज 22 मिनट में स्वदेशी हथियारों से दुश्मन को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया।

वस्तुतः ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने एआई के उपयोग से पाकिस्तान के लक्षित आतंकी ठिकानों को बर्बाद करके अभूतपूर्व मिसाल पेश की। ऐसे में भारत, दुनिया की आर्थिक शक्ति बनने, पाकिस्तान और चीन की सैन्य चुनौतियों से मुकाबले के लिए एआई तकनीकों और उन्नत परमाणु हथियारों से शक्ति-संपन्न देश बनने की संभावनाओं को साकार कर सकता है। निस्संदेह भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था इसे वैकि आर्थिक शक्ति बना सकती है। यह छोटी बात नहीं है कि पिछले दिनों दुनिया को हिला देने वाले इजरायल और ईरान के बीच भारत अपने बहुआयामी आर्थिक आधारों से युद्ध की आर्थिक चुनौतियों के बीच सक्षम बन कर मजबूती के साथ खड़ा रहा है। जहां इस युद्ध से कई देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम में वृद्धि, व्यापार में कमी, खाद्यान्न सहित जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति में कमी और शेयर बाजार में गिरावट का परिदृश्य उभर कर दिखाई दिया, वहीं भारत इन सब मुश्किलों के मद्देनजर बेहतर स्थिति में बना रहा है।

यह भी महत्त्वपूर्ण है कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के साथ संघर्ष का भी भारत की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर नहीं पड़ा। भारत का बड़ा घरेलू बाजार, कम निर्यात निर्भरता, सरकार के भारी पूंजीगत व्यय, बढ़ती क्रय शक्ति, मेक इन इंडिया और कृषि क्षेत्र में ऊंची सफलता ने देश को बाहरी आर्थिक झटकों को झेलने के लिए मजबूत स्थिति में रखा है।

युद्ध के दौर में भी भारत के निर्यात बढ़े हैं, और भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में वृद्धि हुई है। भारत की विकास दर चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6.5 फीसद रहेगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की वि आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनते दिखाई देगा। निश्चित ही इजरायल-ईरान युद्ध और ऑपरेशन सिंदूर का यह भी सबक है कि युद्ध सिर्फ आर्थिक ताकत और अत्याधुनिक एआई तकनीक के दम पर ही लड़े जाते हैं तथा केवल परमाणु हमले की धमकी से युद्ध नहीं जीते जाते। किंतु इस समय पाकिस्तान और चीन की युद्ध चुनौतियों के मद्देनजर भारत को परमाणु हथियारों को उन्नत होना भी जरूरी है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट के मुताबिक परमाणु हथियारों की संख्या में कमी का युग खत्म हो रहा है।

अब परमाणु हथियारों में वृद्धि और हथियार नियंतग्रसमझौतों को छोड़ने की प्रवृत्ति दिख रही है। दुनिया के नौ परमाणु शक्ति-संपन्न देश-अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजरायल-सभी अपने परमाणु हथियारों को और उन्नत करने में जुटे हैं। भारत के पास 180 और पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं। यह भी महत्त्वपूर्ण है कि पाकिस्तान भारत के ऑपरेशन सिंदूर से बुरी तरह पराजित होकर चीन की मदद से अपने परमाणु हथियारों को उन्नत करने की कोशिश में जुट गया है, ऐसे में भारत का उच्च परमाणु शक्ति बनना जरूरी है। उम्मीद करें कि सरकार इजरायल-ईरान युद्ध और ऑपरेशन सिंदूर से निकले उम्मीदों भरे आर्थिक-सामरिक सबक के मद्देनजर भारत को आर्थिक शक्ति, एआई की नई तकनीकों और उन्नत परमाणु शक्ति-संपन्न देश बनाने के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ेगी।

(लेख में विचार निजी हैं)

नागपंचमी : अंधविश्वास नहीं, वैज्ञानिक दृष्टि चाहिए

लेखक :डा मनमोहन प्रकाश, स्वतंत्र पत्रकार

भारत की सांस्कृतिक परंपराएँ जितनी पुरातन हैं, उतनी ही प्रकृति अनुकूल भी। इन्हीं परंपराओं में से एक है नागपंचमी, जिसमें हम सर्पों की पूजा करते हैं। यह पर्व भारतीय जनमानस में गहराई तक रचा-बसा है।शिव के गले में वासुकी का शोभायमान होना, विष्णु का शेषनाग पर विश्राम करना, कृष्ण का कालिय नाग पर नर्तन दृश्य से सभी भारतीय भलीभांति परिचित हैं। वास्तव में यह दृश्य सांपों को शक्ति, संरक्षण और संतुलन का प्रतीक बनाते हैं। परंतु आज इस पर्व को जिस प्रकार अंधविश्वास और पशु-क्रूरता से जोड़कर मनाया जा रहा है, वह चिंताजनक है। अब समय आ गया है कि इस परंपरा को वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ पुनर्परिभाषित किया जाए।

(1)सांपः श्रद्धा में पूजित, व्यवहार में तिरस्कृत क्यों?:

भारतीय संस्कृति में सांपों को पूजनीय माना गया है, परंतु वास्तविकता यह है कि वे सामाजिक व्यवहार में उपेक्षित, भय और हिंसा के शिकार हैं। सांपों को देखते ही लोग डरकर उन्हें मार डालते हैं,चाहे वे विषैले हों या नहीं।एक प्रश्न यहां यह भी उठता है जिन्हें पूजा जाता क्या उनके साथ इस तरह का व्यवहार उचित है? मेरी दृष्टि में यह भय और ज्ञान के अभाव का परिणाम है। भारत में लगभग 300 प्रकार के सांप पाए जाते हैं, जिनमें से लगभग 60 प्रजातियां विषैली है, उनमें से भी केवल 4–5 प्रजातियाँ यथा कोबरा, करैत, रसेल वाइपर और सॉ-स्केल्ड वाइपर ऐसी है जो सर्प दंश के माध्यम से कभी कभी मनुष्य और अन्य पालतू पशुओं के जीवन के लिए संकट मय हो सकती है।

(2)पारिस्थितिकी तंत्र में सांपों की महती भूमिकाःजैव वैज्ञानिक दृष्टिकोण से यदि विचार किया जाए तो सांप जैव विविधता और खाद्य श्रृंखला की एक अत्यंत महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे कृषकों के मित्र हैं, कृषि उपज को नुक्सान पहुंचाने वाले चूहों आदि की संख्या को नियंत्रित करते हैं।इस दृष्टि से सर्प प्राकृतिक कीटनाशक के रूप में कार्य करते हैं और पारिस्थितिकी तंत्र का संतुलन बनाए रखते हैं। यदि इनकी संख्या में गिरावट आती है तो चूहों और अन्य कीटों की भरमार कृषि संकट का कारण बन सकती है, प्राकृतिक संतुलन के लिए खतरा पैदा कर सकती हैं।

(3)नागपंचमी, परंपरा और समस्याओं की दृष्टि मेंःनागपंचमी का पर्व मूलतः सांपों के प्रति श्रद्धा और सह-अस्तित्व का भाव प्रकट करता है। किंतु वर्तमान में यह पर्व कुछ आपत्तिजनक प्रथाओं तथा अन्धविश्वास से ग्रस्त हो गया है।

(द्व)जीवित सांपों का शोषणः सपेरे सांपों को जंगलों से पकड़ते हैं, उन्हें टोकरी में बंद रखते हैं, बिना भोजन-पानी के कई दिनों तक रखते हैं।

विषदंत निकालनाः पूजा के दौरान काटने के भय से उनके विषदंत या विष ग्रंथियाँ निकाल दी जाती हैं, जो उन्हें शिकार करने में अक्षम बना देती हैं।

दूध पिलाना एक खतरनाक प्रथा हैः मनुष्य को यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि सांप स्तनपायी नहीं होते, वे दूध नहीं पीते,न ही उनके पाचनतंत्र में दूध को पचाने वाले एंजाइम होते हैं। वास्तव में दूध उनके लिए विष के समान है, जो उनके पाचन तंत्र को क्षतिग्रस्त करता है और उनकी मृत्यु का कारण भी बन सकता है है।

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम का उल्लंघनः भारत का वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 सांपों को पकड़ना, प्रदर्शित करना या उनका व्यापार करना अवैध घोषित करता है।

(4)नागपंचमी पर्व के लिए वैज्ञानिक दृष्टि की आवश्यकताः

ऋग्वेद, महाभारत, स्कंद पुराण तथा मनुस्मृति जैसे ग्रंथों में नागों को केवल भय का प्रतीक नहीं, बल्कि जल, भूमि और पर्यावरण के रक्षक के रूप में वर्णित किया गया है। नागपंचमी का वास्तविक उद्देश्य भी यही था कि वर्षा ऋतु में जब सांप बाहर निकलते हैं, तो लोग उन्हें मारें नहीं बल्कि उनसे सह-अस्तित्व का व्यवहार करें।

वास्तव में यह पर्व प्रकृति के प्रति सम्मान और संतुलित सह-अस्तित्व का संदेश देता है। यदि हम इस मूल उद्देश्य को समझें और उसे वैज्ञानिक चेतना से जोड़ें, तो यह पर्व सर्प-संरक्षण की दिशा में एक जनांदोलन बन सकता है।

(5)संरक्षण की दिशा में कार्रवाईः सांपों के साथ दशकों से अत्याचार किया जा रहा है, यदि इनके संरक्षण के उपाय नहीं किए गए तो भविष्य में गंभीर संकट पैदा हो सकते हैं। अतः आवश्यक हैः-

(i)शिक्षा और जागरूकताः विद्यालयों, गाँवों और शहरी क्षेत्रों में सांपों के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण और संवेदना की शिक्षा दी जानी चाहिए।

(ii)कानूनों का कड़ाई से पालनः जीवित सांपों की पकड़, प्रदर्शन और व्यापार पर पूर्णतः प्रतिबंध लागू किया जाए।

(iii)सांकेतिक पूजा को बढ़ावाः मिट्टी, धातु या चित्रों के माध्यम से सांपों की पूजा को बढ़ावा दिया जाए।

नागपंचमी पर संरक्षण का संकल्प लिया जाए।

ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों की बैठक में भागीदारी

पीआईबी

केंद्रीय संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 26 मई 2025 को ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया में आयोजित ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों की 10वीं बैठक में भाग लिया। ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों की बैठक (सीएमएम) में अपनाई गई घोषणा अनुलग्नक में दी गई है।

ब्रिक्स मंच के अंतर्गत परिकल्पित पहलों का कार्यान्वयन राष्ट्र विशिष्ट है, न कि क्षेत्र विशिष्ट।

ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों की 10वीं बैठक की घोषणा प्रस्तावना हम, ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्री, संघीय गणराज्य ब्राजील की अध्यक्षता में, ÷अधिक समावेशी और सतत शासन के लिए वैश्विक दक्षिण देशों के सहयोग को मजबूती÷ विषय के तहत, हमारे सांस्कृतिक सहयोग एजेंडे में आगे की प्रगति की समीक्षा के लिए 26 मई 2025 को ब्रासीलिया शहर में बैठक की।

ब्रिक्स देशों के बीच सहयोग के अंतर्गत सर्वसम्मति, पारस्परिक सम्मान और समझ, खुलेपन, एकजुटता और संप्रभु समानता की ब्रिक्स भावना का पालन करना;

9 जुलाई 2015 को हस्ताक्षरित संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग पर ब्रिक्स देशों की सरकारों के बीच समझौते के तहत प्रतिबद्धताओं को याद करते हुए, और 24 मई 2022 को हस्ताक्षरित समझौते 2022-2026 के कार्यान्वयन के लिए कार्य योजना, साथ ही मारोपेंग घोषणा - 2018; क्यूरिटिबा घोषणा - 2019; मॉस्को घोषणा - 2020; नई दिल्ली घोषणा - 2021; बीजिंग घोषणा - 2022; म्पुमलंगा घोषणा - 2023; और सेंट पीटर्सबर्ग घोषणा - 2024; बहुपक्षवाद को मजबूत करने के लिए सहयोग, संवाद और समझ बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए , ब्रिक्स सदस्यों और वैश्विक दक्षिण देशों की सांस्कृतिक विविधता और सतत विकास दृष्टिकोण की बहुलता को स्वीकार करते हुए , जो अधिक टिकाऊ विश्व का पक्षधर है, और वैश्विक शासन में वैश्विक दक्षिण के दृष्टिकोण को महत्व देते हुए ;

संस्कृतियों की विविधता का सम्मान करने, विरासत, नवाचार और रचनात्मकता को अत्यधिक महत्व देने, संयुक्त रूप से मजबूत अंतरा?ट्रीय लोगों से लोगों के बीच आदान-प्रदान और सहयोग की वकालत करने के लिए और अधिक प्रयास करने का आह्वान;

रचनात्मकता, नवाचार, समावेशी आर्थिक विकास, सामाजिक सामंजस्य और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देकर सतत विकास के प्रमुख प्रवर्तक और चालक के रूप में संस्कृति की शक्ति को मान्यता देना;

समाज के विकास के लिए संस्कृति के आंतरिक मूल्य पर प्रकाश डालना, चुनौतियों का सामना करना और डिजिटल वातावरण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता उपकरणों सहित आईसीटी के बढ़ते उपयोग से उत्पन्न अवसरों पर विचार करना;

सांस्कृतिक संपदा को उनके मूल देशों में वापस लौटाने से समाजों और राज्यों पर पड़ने वाले व्यापक सकारात्मक प्रभावों को स्वीकार करते हुए, तथा इस संबंध में सभी उपाय करने की नैतिक अनिवार्यता को स्वीकार करते हुए, ताकि सांस्कृतिक जीवन में भाग लेने और अपनी सांस्कृतिक विरासत तक पहुंच बनाने के प्रत्येक व्यक्ति के अधिकार का पूर्ण आनंद सुनिश्चित किया जा सके;

इंडोनेशिया को शामिल करने और साझेदार देशों की श्रेणी की स्थापना के माध्यम से ब्रिक्स परिवार के विस्तार का स्वागत करते हुए, जो वैश्विक दक्षिण को शांति और साझा समृद्धि के लिए एक मजबूत गठबंधन बनाने में सक्षम बनाता है;

9 जुलाई 2015 को ब्रिक्स सदस्य देशों द्वारा हस्ताक्षरित संस्कृति के क्षेत्र में सहयोग पर समझौते को स्वीकार करने के लिए नए ब्रिक्स सदस्यों को प्रोत्साहित करना;

हम निम्नलिखित के माध्यम से अपने सहयोग को और मजबूत करने का संकल्प लेते हैं:

1. संस्कृति और रचनात्मक अर्थव्यवस्था, कॉपीराइट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता

1.1 सांस्कृतिक और रचनात्मक क्षेत्रों और उद्योगों के बढ़ते आर्थिक भार और आय, सभ्य रोजगार, रचनात्मक कौशल और नवाचार को बढ़ावा देकर समग्र अर्थव्यवस्था में उनके योगदान को मान्यता देना;

1.2 संस्कृति पर ब्रिक्स कार्य समूह के अंतर्गत सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योगों तथा रचनात्मक अर्थव्यवस्था पर एक ब्रिक्स मंच स्थापित करने पर सहमति; तथा सदस्यों, उनकी संबंधित सांस्कृतिक

संस्थाओं और वित्तीय संस्थाओं, साथ ही साथ न्यू डेवलपमेंट बैंक (एनडीबी) को उसके अधिदेश के अनुसार, अन्य बातों के अलावा, ब्रिक्स सदस्य देशों की सांस्कृतिक और रचनात्मक अर्थव्यवस्थाओं को समर्थन और बढ़ावा देने की संभावनाओं पर विचार करने, सांस्कृतिक सामग्री के प्रसार का विस्तार करने के उद्देश्य से सांस्कृतिक बुनियादी ढांचे का विकास करने, कलाकारों और सांस्कृतिक व्यवसायियों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने, साथ ही रचनात्मक अर्थव्यवस्था और सांस्कृतिक क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्त परियोजनाओं के विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करना;

1.3 रचनात्मक अर्थव्यवस्था को मापने के लिए मान्यता प्राप्त वैश्विक मानकों और संकेतकों के आधार पर ब्रिक्स देशों में सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योगों के लिए अधिक सामंजस्यपूर्ण, मजबूत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुलनीय सांख्यिकीय संरचना बनाने के लिए सहयोग को बढ़ावा देना;

1.4 सभी के लिए एक नैतिक, सुरक्षित, विश्वसनीय, समावेशी, भरोसेमंद, विकासोन्मुख, न्यायसंगत, पारदर्शी एआई की आवश्यकता की पुष्टि करें, जो राष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर, लागू अंतरराष्ट्रीय कानून, सम?प्रभुता, मानवाधिकार और सभी महिलाओं तथा लड़कियों के सशक्तिकरण, भाषायी विविधता, सांस्कृतिक विरासत, उपभोक्ताओं और उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा और बौद्धिक संपदा अधिकारों का सम्मान करता हो;

राजस्थान के अजमेर में पवित्र श्रावण माह के दौरान लोग धार्मिक जुलूस में भाग लेते हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गांधी पार्क, देहरादून में कारगिल विजय दिवस (शौर्य दिवस) के अवसर पर शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर कारगिल शहीदों को श्रद्धांजलि

सीआईएल ने कोयला खदान अपशिष्ट में पाए जाने वाले दुर्लभ मृदा तत्वों से संबंधित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं शुरू की

पीआईबी

सिंगरेनी थर्मल पावर प्लांट (एसटीपीपी) से एकत्रित कोयला-व्युत्पन्न फ्लाई ऐश और बॉटम ऐश के नमूनों तथा ओवरबर्डन क्ले के नमूनों का सूक्ष्म तत्वों और दुर्लभ मृदा तत्वों (आरईई) के लिए विश्लेषण किया गया है और परिणाम दर्शाते हैं कि फ्लाई ऐश और क्ले में कुल आरईई लगभग 400 पीपीएम है।

इसके अलावा नेवेली स्थित एनएलसी इंडिया लिमिटेड की खदानों और ताप विद्युत संयंत्रों से एकत्रित ओवरबर्डन, लिग्नाइट और फ्लाई ऐश के नमूनों का भी दुर्लभ मृदा तत्व (आरईई) और सूक्ष्म तत्वों के लिए विश्लेषण किया गया। इस विश्लेषण में पाया गया कि ताप विद्युत संयंत्रों से प्राप्त फ्लाई ऐश में आरईई (2100 मिलीग्राम/किग्रा) की सांद्रता होती है, जिसमें हल्की और भारी दोनों तरह की आरईई और 300 मिलीग्राम/किग्रा यिट्रियम की मात्रा शामिल होती है। सरकार ने 29 जनवरी, 2025 को 2024-25 से 2030-31 की अवधि के लिए राष्ट्रीय महत्वपूर्ण खनिज मिशन (एनसीएमएम) की स्थापना को मंजूरी दी। इस मिशन के अंतर्गत ओवरबर्डन, टेलिंग, फ्लाई ऐश और रेड मड जैसे स्रोतों से महत्वपूर्ण खनिजों की प्राप्ति पर केंद्रित पायलट परियोजनाओं के लिए 100 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, एनसीएमएम के अंतर्गत उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना हेतु दिशानिर्देशों को 6 अप्रैल, 2025 को मंजूरी दे दी गई है।

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने कोयला खदान अपशिष्ट में पाए जाने वाले दुर्लभ मृदा तत्वों से संबंधित निम्नलिखित अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) परियोजनाएं शुरू की हैं।

ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने बीएसएनएल के प्रदर्शन की समीक्षा की, ग्राहकों की सुविधा और राजस्व सृजन पर जोर दिया

एजेंसी

केंद्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने नई दिल्ली में भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के मुख्य महाप्रबंधकों (सीजीएम) के साथ एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस उच्च-स्तरीय बैठक में बीएसएनएल की परिचालन प्रगति की समीक्षा की गई, क्षेत्रीय चुनौतियों का समाधान किया गया और कंपनी के नेटवर्क एवं सेवा वितरण के लिए आगे की रणनीति की रूपरेखा तैयार की गई। इस बैठक में संचार राज्य मंत्री श्री पेम्मासानी चंद्रशेखर और दूरसंचार विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। सत्रों के बीच मीडिया ब्रीफिंग में, श्री सिंधिया ने बताया कि इस बैठक में दूरसंचार क्षेत्र में बीएसएनएल की भूमिका को मज़बूत करने, बुनियादी ढांचे के निर्माण में तेज़ी लाने और नागरिक-केंद्रित सेवा वितरण को बढ़ाने पर चर्चा हुई।

विकास और आधुनिकीकरण पर जोर

समीक्षा के दौरान बीएसएनएल की

विकास रणनीति, नेटवर्क प्रदर्शन में सुधार, ग्राहक सेवा वितरण और संगठनात्मक आधुनिकीकरण पर व्यापक चर्चा हुई। इस व्यापक चर्चा ने बीएसएनएल की एक उपभोक्ता-केंद्रित दूरसंचार सेवा प्रदाता के रूप में स्थिति को और मज़बूत किया, जिसका स्पष्ट लक्ष्य सभी व्यावसायिक इकाइयों में ÷राजस्व सर्वोपरि÷ है। इस मंच ने बीएसएनएल के शीर्ष प्रबंधन को हर स्तर पर इन प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने में मदद की और परिणामों के लिए जवाबदेही पर ज़ोर दिया।

ग्राहक-प्रथम परिवर्तन

बीएसएनएल अपने सभी सर्किलों, व्यावसायिक क्षेत्रों और इकाइयों में सेवाओं में बड़े बदलाव के दौर से गुज़र रहा है। अपने ÷ग्राहक सर्वप्रथम÷ सिद्धांत को आगे रखने के लिए बीएसएनएल सक्रिय ग्राहक जुड़ाव, बेहतर सेवा जवाबदेही और त्वरित शिकायत निवारण पर ज़ोर दे रहा है।

प्रमुख फोकस क्षेत्र और परिणाम

सीजीएम बैठक के दौरान, बीएसएनएल के सर्किल प्रमुखों को ग्राहक तक पहुंच और सेवा गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कई प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के बारे में जानकारी दी गई। पहचाने गए विशेष फोकस क्षेत्रों में शामिल हैं:

ग्रामीण, शहरी, उद्यम और खुदरा क्षेत्रों में ग्राहकों के साथ फि र से जुड़ना मोबाइल नेटवर्क और फ ाइबर-टू-द-होम (एफ टीटीएच) में सेवा की गुणवत्ता (क्यूओएस) में सुधार

बिलिंग, प्रावधान और नेटवर्क अपटाइम में ग्राहकों की शिकायतों का समाधान करना

प्रत्येक परिचालन स्तर पर ÷राजस्व-प्रथम÷ लक्ष्यों के साथ जवाबदेही को बढ़ावा देना

कनेक्टिविटी, वीपीएन समाधान, लीज्ड लाइन सेवाएं और अन्य नए व्यावसायिक अवसरों जैसी उद्यम सेवाओं का विस्तार करना।

श्री सिंधिया ने बीएसएनएल के प्रयासों की सराहना की और ग्राहकों को सुविधा तथा राजस्व सृजन में उल्लेखनीय सुधार लाने के महत्व पर बल दिया।

नई सेवा पहल समीक्षा के दौरान, बीएसएनएल की हाल ही में शुरू की गई कई नई पहलों पर प्रकाश डाला गया, जिनका उद्देश्य सेवाओं की पेशकश और ग्राहक मूल्य में वृद्धि करना है। इन पहलों में शामिल हैं:

कई दूरसंचार सर्किलों में 4जी का विस्तार और रोलआउट

अगली पीढ़ी के इन्फोटेनमेंट के लिए मोबाइल ग्राहकों के लिए एफ टीटीएच और बीआईटीवी प्लेटफ ॉर्म के लिए आईएफ टीवी की शुरुआत

बीएसएनएल राष्ट्रीय वाई-फाई रोमिंग (ग्राहकों के लिए राष्ट्रव्यापी वाई-फाई रोमिंग सेवा)

राज्य स्तरीय एडवेंचर हाइक, व्यक्तित्व विकास, प्राकृतिक अध्ययन एवं आपदा प्रबंधन शिविर हेतु जलकी पहुंची कोरिया जिले के स्काउट-गाइड टीम

कोरिया, संवाददाता, लोकशक्ति

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ राज्य मुख्यालय रायपुर के द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के वित्तीय अनुदान से आयोजित राज्य स्तरीय एडवेंचर हाइक, व्यक्तित्व विकास एवं प्राकृतिक आपदा प्रबंधन शिविर में सम्मिलित होने हेतु कोरिया जिले की स्काउट्स एवं गाइड्स की टीम आज जलकी पहुंची।

यह चार दिवसीय शिविर भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त डॉ. सोमनाथ यादव एवं राज्य सचिव कैलाश सोनी के निर्देशानुसार दिनांक 28 से 31 जुलाई 2025 तक ग्राम जलकी, सिरपुर, जिला महासमुंद में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें राज्य के विभिन्न जिलों से स्काउट्स और गाइड्स सम्मिलित हो रहे हैं।

कोरिया जिले के जिला मुख्य आयुक्त देवेन्द्र तिवारी जी के निर्देशानुसार, जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला आयुक्त स्काउट जितेंद्र कुमार गुप्ता के आदेशानुसार, जिला संगठन आयुक्त स्काउट श्री नागेश्वर साहू एवं जिला संगठन आयुक्त गाइड आशा एक्का के नेतृत्व में स्काउटर अनिल कुमार, गाइडर धनमत पड़ौती के साथ जिले के विभिन्न विद्यालयों के 15 स्काउट्स और 15 गाइड्स कुल 32 सदस्यों की टीम दिनांक 27 जुलाई 2025 को चिरमिरी रेलवे स्टेशन से रवाना होकर आज शिविर स्थल जलकी पहुंचे हैं।

शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मनिर्भरता, साहसिकता, और आपदा प्रबंधन जैसे आवश्यक गुणों का विकास करना है। यह शिविर युवाओं के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है द्य यह शिविर विद्यार्थियों के लिए जीवन में आने वाली विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं जैसे भूकंप, बाढ़, अग्निकांड आदि में राहत एवं बचाव कार्यों से संबंधित व्यवहारिक प्रशिक्षण देने के साथ-साथ साहसिक गतिविधियों जैसे ट्रैकिंग, नाईट हाइक, मैप रीडिंग, टेन्ट निर्माण आदि का भी अभ्यास कराएगा। इसके साथ ही नेतृत्व विकास, संवाद कौशल, आत्म-नियंत्रण, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों पर कार्यशालाएं भी आयोजित होंगी।

यह शिविर न केवल छात्रों को भौतिक रूप से सशक्त बनाएगा, बल्कि मानसिक रूप से भी उन्हें चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार करेगा। जिला स्तर से राज्य स्तर तक का यह सफर विद्यार्थियों के जीवन में एक नया अनुभव जोड़ेगा, जिससे वे भविष्य में जिम्मेदार नागरिक के रूप में समाज की सेवा कर सकें ।

राज्य स्तरीय इस शिविर में सम्मिलित हो रहे सभी प्रतिभागियों को चंदन संजय त्रिपाठी कलेक्टर कोरिया पदेन संरक्षक भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ कोरिया, डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोरिया, देवेंद्र तिवारी जिला मुख्य आयुक्त कोरिया, जितेंद्र कुमार गुप्ता जिला शिक्षा अधिकारी पदेन जिला आयुक्त स्काउट जिला कोरिया, रवि कुमार पाण्डेय जिला संघ कोषाध्यक्ष, सुरेंद्र कुमार जिला सचिव, नागेश्वर साहू जिला संगठन आयुक्त स्काउट, आशा एक्का जिला संगठन आयुक्त गाइड, सुनील बड़ा जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट, निशा खान जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड, जिला मीडिया प्रभारी रवि बैगा, श्याम कुमार आण्डिल विकासखंड सचिव सोनहत, शिव प्रताप सिंह विकासखंड सचिव बैकुंठपुर सहित जिला संघ के समस्त पदाधिकारी संस्था के प्राचार्य एवं समस्त स्काउटर - गाइडर ने बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किए हैं।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

पीएम आवास योजना में प्रगति लाएं, शिकायत आने पर तत्काल करें कार्यवाही - कलेक्टर महोबे

कलेक्टर ने एग्रीस्टैक पंजीयन की धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने सोमवार को साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में सभी विभागों की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों में किसी प्रकार की कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति में तेजी लाई जाए। पीएम आवास अंतर्गत प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से संज्ञान लेकर तत्काल निराकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को समय पर लाभ मिलना चाहिए, और किसी तरह की कोई शिकायत नहीं आना चाहिए, अन्यथा संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने पीएम आवास पोर्टल में जियो टैग करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने यह भी कहा कि यदि किसी भी स्तर पर पीएम आवास योजना से संबंधित कोई शिकायत प्राप्त होती है, तो उसकी तत्काल जांच कर त्वरित निराकरण किया जाए। उन्होंने स्थानीय स्तर पर सतत निगरानी और समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्री महोबे ने ऐसे स्कूल या आंगनबाड़ी केंद्र जो पूर्णतः जर्जर हो चुके हैं और जिनकी मरम्मत संभव नहीं है, उन्हें तत्काल उपयोग से बाहर किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि है, अतः वैकल्पिक स्थान की शीघ्र व्यवस्था की जाए। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही, जो भवन पूरी तरह अनुपयोगी हो चुके हैं, उन्हें विधिवत डिस्मेंटल की प्रक्रिया की जाए। बैठक में पीडब्ल्यूडी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, जल संसाधन, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न विभागों द्वारा संचालित निर्माण कार्यों की समीक्षा की और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता पर विशेष जोर देते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर निर्माण कार्य पूर्ण करने और नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बैठक में आगामी 15 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्य समारोह के गरिमामय आयोजन की तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने मंच, परेड एवं रिहर्सल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, आमंत्रण

कार्ड, बैठक व्यवस्था, साज-सज्जा, बेरिकेटिंग, विद्युत व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने कहा। इसके साथ ही सभी ऐतिहासिक स्थलों पर साफ-सफाई, सजावट और आवश्यक व्यवस्थाएं करने कहा। इस दौरान उन्होंने प्रभात फेरी, ध्वजारोहण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं शहीद परिवारों को सम्मान सहित आमंत्रित किये जाने के निर्देश दिए। सभी शासकीय भवनों पर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित किया जाए।

इस दौरान उन्होंने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण के तहत ग्राम पंचायतों का स्वच्छता एवं साफ-सफाई का आंकलन कर रैंकिंग किया जाना है। ग्राम पंचायतों में स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण का प्रचार प्रसार करने, दीवाल लेखन सहित अन्य निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर ने एग्रीस्टैक पंजीयन की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की और उपसंचालक कृषि को प्रगति लाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही आयुष्मान भारत योजना, वय वंदन योजना, श्रमिक पंजीयन जैसे कार्यों को एकीकृत रूप से एक ही स्थान में शिविर लगाकर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को बार-बार भटकना न पड़े, इसके लिए सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर समान तिथि पर, एक ही परिसर में सभी आवश्यक सेवाएं प्रदान की जाएं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने पर वर्ष 2025-26 को रजत जयंती वर्ष के रूप में भव्य रूप से मनाया जाएगा। इस दौरान रजत जयंती वर्ष में जिले की विकास यात्रा, सांस्कृतिक धरोहर, शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, कृषि, और ग्रामीण विकास से संबंधित उपलब्धियों को आम जनता तक पहुँचाने हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिले के सभी विभाग 25 वर्षों की यात्रा को प्रदर्शित करते हुए एक विशेष सप्ताह का आयोजन करेंगे। इस दौरान जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, श्री आर.के. तंबोली, श्रीमती आराध्या राहुल कुमार सहित सभी विभागीय अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

धरदेई में जुआ खेलते तीन जुआरी सपड़ाये

आरोपियों के कब्जे से नगदी 2740 एवं 52 पत्ती तास के साथ 3 नग मोबाइल बरामद

जांजगीर चांपा संवाददाता। / शिवरीनारायण थाना क्षेत्र के ग्राम धरदेई में तीन जुआरी सपड़ाया है । ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में जिले में जुआ सट्टा खेलाने एवं खेलने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन पर क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए जांजगीर पुलिस द्वारा सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में एसडीओपी यदुमणि सिदार के नेतृत्व में थाना शिवरीनारायण पुलिस द्वारा मुखबिर सूचना पर ग्राम धरदेई में रेड कार्यवाही कर 3 जुवाड़ीयानो को जुआ खेलते पकड़ा। उन्हे विधिवत गिरफ्तार कर छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3 (2) के तहत कार्यवाही किया गया। पकड़े गए जुआरियों में जितेन्द्र कुर्रे पिता जमुना प्रसाद कुर्रे निवासी कोड़ा भाट वार्ड नंबर 01 थाना पामगढ़ ,संतराम यादव पिता विश्वकर्मा यादव निवासी वार्ड नंबर 8 मेंहदी थाना शिवरीनारायण , दिनेश केवट पिता पितराम केवट निवासी राहौल वार्ड नंबर 15 थाना शिवरीनारायण शामिल है।

श्री व्यंकटेश झूलनोत्सव ! श्रावण मास में झूला झूले कन्हैया .....

जांजगीर-चाम्पा।

पंच दिवसीय धार्मिक आस्था से परिपूर्ण आयोजन अग्रसेन भवन नैला में .....

जांजगीर-चांपा । श्री व्यंकटेश झूलनोत्सव एक महत्वपूर्ण धार्मिक आस्था से परिपूर्ण आयोजन हैं । इस अवसर पर भगवान श्रीहरि विष्णु के अवतार श्री व्यंकटेश की पूजा-अर्चना और उत्सव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया जाता हैं । यह आयोजन अग्रसेन भवन ,नैला-जांजगीर में दिनांक 3 अगस्त 2025 से दिनांक 7 अगस्त 2025 तक आयोजित किया जाएगा। वैसे भी श्रावण मास शुरू होते ही देवस्थान और मंदिरों में धूमधाम से झूला उत्सव की तैयारियां शुरू हो जाती हैं । कुछ लोग भगवान के श्रीविग्रह को रखकर झूला सजाते हैं तो कुछ लोग सामूहिक रुप में यह आयोजन करते हैं । ऐसी ही एक दिव्य आयोजन श्रीमन्नरायण के आशिर्वाद तथा श्री-श्री 1008 श्री युवराज स्वामी रामकृष्णाचार्य जी महाराज (इटारसी) के सानिध्य में भगवान श्रीकृष्ण-राधा के झूलनोत्सव महोत्सव का आयोजन दिनांक 03 अगस्त से दिनांक 07 अगस्त, 2025 से किया जा रहा हैं । बसईवाल परिवार के द्वारा आयोजित कार्यक्रम अग्रसेन भवन नैला में होगा ।इसके लिए श्रद्धा और भक्ति के साथ लगातार तैयारियां की जा रही हैं । इसके लिए श्रीकृष्ण खेड़िया तथा आनंद अग्रवाल से श्रद्धालु भक्त संपर्क कर सकते हैं । कार्यक्रम के संयोजक दासानुदास कैलास बसईवाल,दासानुदास पवन अग्रवाल (स्वदेश ज्योति ब्यूरो चीफ) दासानुदास अंकित बसईवाल ,दासानुदास देवेश बसईवाल, दासानुदास कमल बसईवाल तथा परिवार ने ईश्वर के झूलनोत्सव में श्रद्धालु भक्तों को सादर आमंत्रित किया हैं। झूलनोत्सव एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक ,धार्मिक आयोजन हैं, जिसमें केवल अग्रवाल समाज के लोग ही शामिल नहीं बल्कि अन्यान्य लोग एकत्रित होकर भगवान की पूजा-आराधना और

मामला अकलतरा थाना क्षेत्र का : मोटर सायकल चोरी करने वाले चार आरोपी पकड़ाए

जांजगीर चांपा / मोटरसाइकल चोरी के चार आरोपी पकड़ाए हैं । यह मामला अकलतरा थाना क्षेत्र का है जिसमें पकड़े गए आरोपीयों में रवि निर्मलकर उम्र 21 वर्ष निवासी वार्ड नं0 14 सब्जी मंडी अकलतरा ,निकेश निषाद उम्र वर्ष 20 निवासी नायक टांड सब्जी मंडी रोड अकलतरा , सुमित सतनामी उम्र 20 वर्ष निवासी वार्ड 05 जैतखम्भा अकलतरा , मुकेश चौबे उम्र 23 वर्ष निवासी सिचाई कांलोनी अकलतरा शामिल है। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है अज्ञात आरोपी द्वारा प्रार्थी चंद्र कुमार पटेल निवासी पचरी दल्हा के मो0सा0 एचएफडीलक्स को दिनांक 15/07/25 की रात्रि में उसके घर के अंदर बाउंड्री से चोरी कर ले गया है, जिसकी सूचना रिपोर्ट पर थाना अकलतरा में अपराध क्रमांक 343/2025 धारा 331(4),305(ए) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। थाना क्षेत्र में मोटर साइकिल चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में थाना स्तर पर टीम गठीत कर एंव सायबर सेल जांजगीर के सहयोग से आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर मेमोरण्डम कथन में बताया ?कि बिलासपुर मंगला चौक से पैशन प्रो सीजी 10 एबी 7613, कोरबा से मो0सा0 क्रं.सीजी 12 बीजी 4734 एवं पचरी दल्हा से मो0सा0 डीलक्स सीजी 11 एआर 4899 , मो. सा. CG 11AE 0218 जिसको घटना करते समय उपयोग में लाया गया था । मोटर सायकल को अलग अलग जगह से चोरी करना आरोपी रवि निर्मलकर द्वारा बताया कि उसके दोस्त निकेश निषाद, सुमित सतनामी, मुकेश चौबे को मो0सा0 को बेचने के लिए ग्राहक ढुढने के लिए भेजा था जो ग्राहक ढूंढते सूचना मिलने पर पुलिस के पूछताछ में जुर्म स्वीकार करना बताए एवं अपराध सदर धारा का पर्याप्त साक्ष्य सबूत पाये जाने से गिर. कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक भास्कर शर्मा , सउनि राजेन्द्र क्षत्रिय, कमल क्षत्रिय, अजित राज एंव सायबर सेल जांजगीर का सराहनीय योगदान रहा।

थाना अकलतरा एवं सायबर पुलिस की कार्यवाही

प्रेमी से मिलकर पति की हत्या करने वाली आरोपीयां एवं प्रेमी आरोपी

जांजगीर चांपा /

प्रेमी से मिलकर पति की हत्या के मामले में आरोपीयां व प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि प्रार्थी प्रकाश कुमार केवट निवासी कोटमीसोनार द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराया कि इसका भाई मृतक अमरनाथ केंवट की पत्नि ईश्वरी बाई केंवट कुछ माह पूर्व ग्राम रौना कांपा के युवराज निषाद के साथ पुणे तरफ भाग गई थी, जो दिनांक 21 जुलाई 25 को अमरनाथ के द्वारा वापस बुलाने पर वापस घर आ गई थी । दिनांक 27 जुलाई 2025 को अपने घर में अपने पति के साथ थी कि दोपहर करीबन 3.15 बजे अमरनाथ केंवट का लडका लक्ष्य कुमार केंवट ने अपने बडे पापा को जाकर बताया कि इसकी मां ईश्वरी केवट का प्रेमी युवराज केंवट निवासी रौना कांपा का जो घर अंदर घुसकर घर में रखे कुदाली से मेरे पिता अमरनाथ के सिर चेहरा में कुदाली से मारपीट कर गंभीर चोट पहुचाया है, तब प्रकाश केंवट जाकर देखा तो अमरनाथ खून में लतपत था जिसे तत्काल प्राइवेट वाहन से उपचार हेतू शासकीय अस्पताल अकलतरा लेकर आये डाक्टर साहब के द्वारा चेक कर अमरनाथ केंवट का मृत्यु होना बताये । उक्त सूचना रिपोर्ट पर थाना अकलतरा में अपराध क्रमांक 347/2025 धारा धारा 103(1),3(5) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया था। हत्या जैसे घटित अपराध को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन में आरोपी युवराज निषाद, ईश्वरी केंवट को हिरासत में लेकर घटना के संबंध में पूछताछ करने पर जुर्म स्वीकार करते हुए बताए कि दोनों एक दूसरे से पिछले 8, 9 माह से प्यार करते थे और साथ में पुणे तरफ भाग गए थे, फिर वापस बिलासपुर में आकर साथ रह रहे थे। ईश्वरी केवट का पति अमरनाथ आकर ईश्वरी को अपने साथ कोटमीसोनार आने के लिए मनाने पर ईश्वरी वापस आ गई थी। दिनांक 27 जुलाई 25 को दोपहर लगभग 3.15 बजे युवराज निषाद कोटमीसोनार आया और अमरनाथ के घर के पीछे से घर में घुसा बड़ी में रखे कुदाल को अंदर लेकर गया और अमरनाथ के चेहरे में ताबड़तोड हमला कर दिया । उस हमले में अमरनाथ की पत्नी भी साथ दी उसके बाद कुदाल को लेकर युवराज, ईश्वरी के मदद से भाग गया ।

कलेक्टर ने स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, नवागढ़ के प्रभारी प्राचार्य को किया कार्यमुक्त

जिला मिशन समन्वयक राजकुमार तिवारी को बनाया प्रभारी प्राचार्य

जांजगीर-चांपा। श्री अमित मेसी व्याख्याता एल.बी. (अंग्रेजी) शासकीय हाईस्कूल सिंउड़ को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, नवागढ़ के प्रभारी प्राचार्य के रूप में आगामी आदेश तक अस्थायी रूप से कार्य करने के लिए पदस्थ किया गया था। चूंकि शास. हाईस्कूल सिंउड़ में अंग्रेजी विषय का शिक्षक नहीं होने से बच्चों का अध्यापन कार्य प्रभावित हो रहा है। छात्रहित को ध्यान में रखते हुए श्री अमित मेसी को उनके मूल शाला शासकीय हाईस्कूल सिंउड हेतु तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त किया गया है। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने उनके स्थान पर स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, नवागढ़ का प्रभारी प्राचार्य श्री राजकुमार तिवारी जिला मिशन समन्वयक, समग्र शिक्षा, जिला जांजगीर-चांपा को बनाया है। साथ ही कलेक्टर श्री महोबे ने माइग्रेशन प्रमाण पत्र एवं अंकसूची जारी किये जाने के संबंध में श्रीमती ममता शुक्ला व्याख्याता शास. उच्च. मा. विद्यालय नवागढ़ के विरूद्ध विभागीय जांच संस्थित किये जाने की अनुशंसा सहित आवश्यक कार्यवाही हेतु संचालक, लोक शिक्षण संचालनालय को पत्र प्रेषित किया है।

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने जनदर्शन में सुनी आमजनों की मांगें एवं समस्याएं

प्राप्त आवेदनों का समय-सीमा में एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के दिए निर्देश

जांजगीर-चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जिले के नागरिकों की समस्याएं, शिकायतें एवं मांगों को सुना तथा अधिकारियों को जनदर्शन में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में आज कुल 42 आवेदन प्राप्त हुए।

आज जनदर्शन में तहसील चांपा के ग्राम महुदा निवासी प्रेमसिंह धनवार ने ट्राई सायकल प्रदान करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि उनकी दिव्यांगता के कारण उन्हें आने-जाने में कठिनाई होती है और उन्हें कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस पर कलेक्टर ने समाज कल्याण विभाग को तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार सारागांव तहसील के देवरी गांव से पहुंची मीनाबाई ने अपने पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में नाम सुधार की मांग रखी। इस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को आवेदन अग्रेषित करते हुए तुरंत आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए। तहसील अकलतरा अंतर्गत ग्राम अमरताल निवासी देवनंदन जांगड़े ने अपने पुत्र की अंकसूची में जन्मतिथि सुधार के लिए आवेदन प्रस्तुत किया, जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को सुधार कराने के निर्देश दिए। जनदर्शन में राशन कार्ड, पीएम आवास तथा अन्य विषयों से संबंधित कुल 42 आवेदन प्राप्त हुए, जिनके निराकरण हेतु आवश्यक कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिए।

जिले के स्कूलों में होंगे मरम्मत, शौचालय निर्माण और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार

शासन से 2 करोड़ रुपए से अधिक की स्वीकृति, जिले के स्कूलों में होगा व्यापक मरम्मत और जीर्णोद्धार कार्य

12 स्कूल में अतिरिक्त कक्ष की सौगात, नौनिहालों को मिलेंगे आठ आंगनबाड़ी भवन के लिए 2 करोड़ 9 लाख 56 हजार की स्वीकृती

जांजगीर-चांपा ।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और सुसज्जित करने का कार्य तेज़ी से जारी है। उनके नेतृत्व में प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक की शालाओं में अधोसंरचना को बेहतर बनाने पर विशेष बल दिया जा रहा है। शासन ने 2 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से जिले के स्कूलों में मरम्मत, जीर्णोद्धार और आवश्यक निर्माण कार्यों की मंजूरी प्रदान की है। शासन की इस स्वीकृति से विद्यार्थियों को बेहतर, सुरक्षित और सुविधायुक्त अध्ययन वातावरण मिलेगा, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार देखने को मिलेगा। वहीं जिला खनिज संस्थान न्यास से 12 स्कूल में अतिरिक्त कक्ष एवं नौनिहालों को 8 आंगनबाड़ी भवन के लिए 2 करोड़ 9 लाख 56 हजार की स्वीकृति दी गई है। जिले में कुल 4 करोड़ 9 लाख से अधिक रूपए की स्वीकृति विभिन्न कार्यों के लिए दी गई है।

जिले के 94 प्राथमिक शालाएं और 53 माध्यमिक विद्यालय में 77 लाख 86 हजार रुपये की लागत से अतिआवश्यक मरम्मत कार्य किए जाएंगे। हाई एवं हायर सेकेण्डरी स्कूल में 49 लाख 77 हजार रूपए की स्वीकृति दी गई है। जिसमे छत मरम्मत, दीवार, फर्श, खिड़की-दरवाजे, पेयजल, शाला में जल भराव निकासी को दुरुस्त करने का कार्य किया जाएगा। 114 प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओ में 47 लाख रुपये की लागत से एवं 38 हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल 27 लाख रुपये नवीन शौचालय निर्माण एवं पुराने शौचालयों का जीर्णोद्धार होगा। इसके साथ ही जिला खनिज संस्थान न्यास की राशि से 12 स्कूल भवन में अतिरिक्त कक्ष की सौगात स्कूली बच्चों को मिलेगी। इसके लिए 96 लाख 84 हजार की राशि स्वीकृत की गई है। वहीं जिले के नौनिहालों के लिए आठ आंगनबाड़ी भवन तैयार किये जाएंगे, इसके लिए 1 करोड़ 12 लाख 72,000 रूपए की स्वीकृत प्रदान की गई है। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिले।

विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

इस स्वीकृति से विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित स्कूलों के छात्र-छात्राओं को सीधा लाभ मिलेगा। प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे कार्य, न सिर्फस्कूलों की स्थिति को बेहतर कर रहे हैं, बल्कि विद्यार्थियों के आत्मविश्वास, उपस्थिति और प्रदर्शन को भी नया आयाम दे रहे हैं।

जपहु जाइ शंकर सत नामा। होइहिं हृदय तुरत बिश्रामा- राजेश्री महन्त

तृतीय श्रावणी सोमवार को शिव दर्शन के कार्यक्रम में सम्मिलित हुए महामंडलेश्वर

संवाददाता। तृतीय श्रावणी सोमवार को महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज का शिव दर्शन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने जिला महासमुंद एवं बलौदा बाजार भाटापारा के अनेक स्थानों पर विराजित भगवान भोलेनाथ के विभिन्न स्वरूपों का दर्शन पूजन कर लोक कल्याण की कामनाएं की। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेश्री महन्त जी महाराज ने 28 जुलाई 2025 दिन सोमार को सिरपुर, जिला महासमुंद पहुंचकर गंधेश्वर नाथ महादेव, जिला बलौदा बाजार भाटापारा में भूतेश्वर नाथ महादेव अमेठी, सिद्धेश्वर नाथ महादेव पलारी, देवेश्वर नाथ महादेव देवसुंदरा तथा सिद्धेश्वर नाथ महादेव ग्राम जारा में दर्शन पूजन व भगवान भोलेनाथ का दुग्धाभिषेक, जलाभिषेक करके लोक कल्याण की कामनाएं की। उन्होंने श्री रामचरितमानस में भगवान श्री रामचंद्र जी के द्वारा नारद मुनि को दिए गए उपदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि- *जपहु जाइ शंकर सत नामा। होइहि तुरत हृदय बिश्रामा।।* अर्थात मनुष्य के जीवन में जब भी कोई कष्ट आ जाए तो उन्हें भगवान शिव के पंचाक्षरी मंत्र 'ओम नमः शिवाय' का जाप करना चाहिए इससे हृदय में तुरंत ही शांति मिलती है। हमें शास्त्रों में बताए हुए मार्ग का अनुसरण करना चाहिए। अलग-अलग स्थान में राजेश्री महन्त जी महाराज के साथ भूषण ठेठवार, मनीष चंद्राकर, राधेश्याम वर्मा, सुमित तिवारी, लाला वर्मा, प्रेमदास, यमलोक साहू, इंद्र कुमार वर्मा,कोमल दास वैष्णव, शंकर मंदिर समिति के सभी सदस्य गण, रामतीरथ दास जी, सहदेव यादव, चंद्रिका मिश्रा, प्रवीण धुरंधर, एवं उनके साथी, मीडिया प्रभारी निर्मल दास वैष्णव, राजीव त्रिपाठी सहित अनेक गणमान्य नागरिक गण सम्मिलित हुए।

खास खबर

पूर्व सैनिकों ने मनाया कारगिल विजय दिवस

कोरबा (आरएनएस)। देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर जवानों की स्मृति में पूर्व सैनिक सेवा संघ कोरबा द्वारा सुभाष चैक में कारगिल विजय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर कोरबा का सुभाष चैक देशभक्ति के रंग में रंगा दिखा और 'जय हिंद', 'भारत माता की जय' जैसे नारों से गूंज उठा।

उक्त कार्यक्रम में वार्ड क्रमांक 18 के पार्षद तथा भाजपा नेता नरेंद्र देवांगन भी शामिल हुए, उन्होंने कारगिल के शहीदों को नमन कर कारगिल विजय दिवस की सबको बधाई दी।

कार्यक्रम की शुरुआत शहीदों को माल्यार्पण, और दो मिनट के मौन से हुई। इसके पश्चात राष्ट्रगान गाया गया और उपस्थित जनों ने शहीदों को नमन किया, पूर्व सैनिकों ने कारगिल युद्ध में अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कैसे कठिन परिस्थितियों में भी भारतीय सैनिकों ने दुश्मनों को परास्त किया और तिरंगे को ऊँचा रखा।

उक्त कार्यक्रम में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि और समाजसेवी भी बड़ी संख्या में शामिल हुए और शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। पूर्व सैनिक सेवा संघ के अध्यक्ष ने कहा की कारगिल विजय दिवस हमें याद दिलाता है कि देश की रक्षा के लिए हमारे जवानों ने क्या कुछ सहा। हमें उनके बलिदान को कभी नहीं भूलना चाहिए।

भाड़ा दरों में 25 प्रतिशत वृद्धि की मांग, 28 से ट्रेलर मालिक संघ अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

कोरबा कोयला परिवहन में लगे ट्रक व ट्रेलर मालिकों ने भाड़ा दरों में 25 प्रतिशत वृद्धि की मांग को लेकर प्रशासन को अंतिम चेतावनी दे दी है। 21 जुलाई को इस संबंध में कोरबा कलेक्टर को एक ज्ञापन सौंपा गया था, जिसमें ट्रक ट्रेलर मालिक संघ ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया कि बढ़ती महंगाई, डीजल दरों और रखरखाव लागत के कारण वर्तमान भाड़ा दर से उनका संचालन संभव नहीं है। लेकिन चार दिन बीत जाने के बाद भी प्रशासन की ओर से कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया या पहल नहीं की गई, जिससे नाराज होकर संघ ने 28 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने का फैसला किया है।

हड़ताल का सीधा असर कुसमुंडा, दीपका और गेवरा खदानों में देखने को मिलेगा, जहां से कोयला का प्रतिदिन भारी मात्रा में परिवहन होता है। हड़ताल के चलते इन क्षेत्रों में कोयला परिवहन पूरी तरह से ठप हो जाएगा, जिससे न केवल खदानों का उत्पादन प्रभावित होगा बल्कि बिजली संयंत्रों तक कोयले की आपूर्ति भी बाधित हो सकती है।

पोस्ट ऑफिस कोरबा में मिल रही रेल आरक्षण की सुविधा

कोरबा यात्रियों की सुविधा और पहुंच को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत यात्रियों को आरक्षित टिकट बुकिंग की सुविधा रेलवे स्टेशनों के अलावा शहरी क्षेत्रों में भी प्रदान की गई है। इसके अंतर्गत मंडल के 8 प्रमुख स्थानों पर नॉन-रेल हेड और डाकघर में रेल आरक्षण सुविधा उपलब्ध है, जिससे यात्री अपने नजदीकी स्थान से ही आरक्षित टिकट बुक कर सकते हैं। यह सुविधा

आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने वार्ड क्र.13 में एक्शन टीम के साथ विभिन्न बस्तियों का किया निरीक्षण

कोरबा आयुक्त आशुतोष पाण्डेय ने शनिवार को नगर पालिक निगम कोरबा के वार्ड क्र. 13 शारदा विहार में एक्शन टीम के साथ जनसमस्याओं को देखने पैदल भ्रमण करते हुए विभिन्न बस्तियों, मोहल्लों, पारों के स्थानीय निवासियों से भेंट मुलाकात कर उनकी साफ-सफाई व नालियों की समस्याओं को सुना तथा तत्काल संबंधित ठेकदार व सफाई कर्मचारियों को अल्टीमेटम देकर वहॉ की सफाई के कडे निर्देश अधिकारियों को दिये।

आयुक्त श्री पाण्डेय ने शनिवार को नगर पालिक निगम कोरबा के कोरबा जोन अंतर्गत शारदा विहार कालोनी, अटल आवास, निचली बस्ती, अमरैयापारा, स्टेशन रोड बस्ती, संजयनगर, नई बस्ती का दौरा कर वहॉ की साफ-सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सड़क रोशनी व्यवस्था आदि से जुड़े कार्यो का सघन रूप से निरीक्षण किया। भ्रमण के दौरान कुछ स्थानों पर गदंगी व कचरा पड़ा होने, समय पर सफाई कार्य पूरा न करने तथा नालियों में कचरे का जमाव देखकर गहरी नाराजगी जाहिर की, उन्होने संबंधित स्वच्छता पर्यवेक्षक व सफाई कार्य के ठेकेदार को सफाई कार्यो में कसावट लाकर नियमित रूप से सफाई कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होने अधिकारियों से कहा कि निर्धारित मानदण्डों के अनुरूप सफाई कार्य हों, नियमित रूप से साफ-सफाई की जाये, नालियों में कचरे का जमाव न हों, यह अंतिम रूप से सुनिश्चित करायें। उन्होने स्वच्छता दीदियों से कहा कि जिन बस्तियों में सकरी स्थानों पर सफाई रिक्शा पहुंच नहीं पाता, उन सकरी गलियों के निवासियों को सिटी बजाकर अवगत कराये कि सफाई रिक्शा आपके घर तक नहीं पहुंच सकता, तथा वे सफाई रिक्शें तक पहुंचकर अपने घरों से निकले हुए कचरे को पृथक-पृथक डस्टबिन में ही कचरे को डालें।

आयुक्त श्री पाण्डेय ने शारदा विहार मुख्य मार्ग स्थित निर्माणाधीन सियान सदन के निर्माण व विकास कार्यो का भी निरीक्षण किया। सुनालिया चैक से रेलवे स्टेशन तक के मुख्य मार्गो के निरीक्षण के दौरान उन्होने पाया कि नहर की बाउण्ड्रीवाल कुछ स्थानों से टूटी हुई है तथा नहर किनारे कुछ कतिपय लोगों द्वारा कचरे को फेंक दिया जाता है, जिससे वहॉ कि साफ-सफाई कार्य नहीं हो पाता है, जिससे गंदगी का आलम दिखाई देता है, उन्होने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि वे कचरे का तुरंत उठाव व परिवहन ट्रेक्टर के माध्यम से कराये जाने के निर्देश भी दिये। आयुक्त श्री पाण्डेय ने निर्देश देते हुए स्वच्छता पर्यवेक्षक, स्वच्छता सुपरवाईजर को कहा कि स्वच्छता दीदियों का उनके घरों तक पहुंचने का एक निश्चित समय निर्धारित हो, जिससे लोगों को यह मालूम हो सके कि लगभग इस समय तक स्वच्छता दीदियों के आने का समयसीमा निर्धारित है, इसके लिए स्वच्छता दीदियों का सुबह समय पर प्रतिदिन निकलने का समय निश्चित हो। उन्होने अधिकारियो को निर्देश देते हुए कहा कि सीतामणी रेलवे स्टेशन के पास स्थित प्रीपेड बुथ व आटो रिक्शा स्टैण्ड के आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई कराये।

पीएम आवास से गरीबो को मिल रही खुशियां अपार

कोरबा 27 जुलाई (आरएनएस)। अपनी झोपड़ी में वर्षो तलक परेशानी झेलते आए ग्राम सपलवा के प्रह्लाद सिंह इसलिए खुश है कि आने वाले दिनों में उनकी परेशानी अब परेशानी नहीं रहेगी। उन्हें भी अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी रहने का मौका मिलेगा। उनकी पत्नी उर्मिला बाई भी चाहती थीं कि उनका भी कोई पक्का मकान हो लेकिन पक्के मकान के लिए खर्च की सीमा उनके सपनों को तोड़ देती थीं। गाँव के कई परिवारों के साथ इनका नाम भी जब पीएम आवास योजना में आया तो खुशी का ठिकाना न रहा। प्रह्लाद सिंह और उनकी पत्नी उर्मिला बाई अपने सपनो के आशियाने को पूरा करने जुट गए हैं।

कोरबा जिले के पाली विकासखंड अंतर्गत ग्राम सपलवा के प्रहलाद सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना में नाम आने के बाद उन्होंने अपना घर निर्माण शुरू किया है। आने वाले कुछ महीनों में उनका यह घर बनकर तैयार हो जाएगा। प्रहलाद सिंह ने बताया कि उनकी आर्थिक स्थिति ज्यादा मजबूत नहीं है। खेती किसानी कर कुछ रुपये जोड़कर घर का खर्च भले ही निकाल लेता हैं, लेकिन इतने रुपये का इंतजाम नहीं कर पाता कि वह पक्का मकान बना सके। उन्होंने बताया कि मकान कच्चा होने से बारिश के दिनों में सबसे ज्यादा

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत जिले में विशेष अभियान 31 तक

घर-घर जाकर लिए जा रहे आवेदन, अब तक 500 से अधिक महिलाओं को जोडऩे का कार्य पूर्ण

रायगढ़, । गर्भवती और शिशुवती महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार, सुरक्षित मातृत्व और आर्थिक सहायता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारत सरकार की प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) के तहत रायगढ़ जिले में 31 जुलाई 2025 तक एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र महिला योजना के लाभ से वंचित न रहे। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर, विभागीय अधिकारी और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर पात्र महिलाओं से आवेदन पत्र भरवा रहे हैं। कलेक्टर द्वारा इस अभियान की नियमित समीक्षा की जा रही है और जिले के शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान काम न कर पाने से होने वाले आर्थिक नुकसान की आंशिक भरपाई करना है। यह योजना उन सभी गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए है जो केंद्र या राज्य सरकारों या सार्वजनिक उपक्रमों में नियमित रोजगार में नहीं हैं, या जो वर्तमान में लागू किसी अन्य कानून के तहत समान लाभ प्राप्त नहीं कर रही हैं।

योजना के लाभ और पात्रता

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के अंतर्गत पहले बच्चे के जन्म पर महिला को दो किश्तों में कुल पांच हजार रुपए दिए जाते हैं। वहीं दूसरी संतान बालिका होने पर एकमुश्त छह हजार रुपये का प्रावधान है। योजना का लाभ उठाने के लिए लाभार्थी महिला का बैंक या पोस्ट ऑफिस में खाता अनिवार्य है और वह खाता आधार से लिंक होना चाहिए। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि इस अभियान के तहत अब तक 500 से अधिक महिलाओं के आवेदन भरवाए जा चुके हैं। पात्र महिलाएं 31 जुलाई 2025 तक अपनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता या पर्यवेक्षक से संपर्क कर आवेदन फार्म भर सकती हैं। इस अभियान के तहत पात्र हितग्राहियों को योजना से जोडऩे के लिए जिले के विभिन्न ग्रामों में शिविर लगाए जा रहे है। इसी क्रम में गत दिवस रायगढ़ विकासखंड के ग्राम गेरवाई में घर-घर जाकर शिविर के माध्यम से फार्म भरवाए गए, जिससे हितग्राहियों को सुविधापूर्वक योजना का लाभ मिल सके। यह विशेष अभियान जिले में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सहायता प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

पति ही निकला सुषमा खुसरो का हत्यारा

o पुलिस की सूझबूझ से खुला राज-वैवाहिक विवाद बना खून की वजह..

कोरबा। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में 22 जुलाई को सामने आए महिला हत्या मामले का पुलिस ने चार दिन में खुलासा कर दिया है। मृतका सुषमा खुसरो की हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि उसके ही पति अभिनेक कुमार लदेर ने की थी। हत्या के बाद आरोपी ने लाश को जलाकर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की सूझबूझ और वैज्ञानिक जांच से सच्चाई सामने आ गई। सुषमा और अभिनेक की शादी आर्य समाज, बिलासपुर में हुई थी। दोनों गोकुल नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, कोरबा में किराये से रहते थे। 22 जुलाई की सुबह दोनों में पिक्कर देखने को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद पति बाहर चला गया। दोपहर में लौटने पर घर के भीतर से धुंआ निकलता देख आरोपी ने दरवाजा तोड़कर देखा तो सुषमा की जली हुई लाश मिली। पुलिस ने मर्ग क्रमांक 55ध्25 धारा 194 बीएनएसएस के तहत जांच शुरू की। वैज्ञानिक जांच से खुली हत्या की साजिश-शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में महिला की मौत पहले हत्या फिर जलाने से होना पाया गया। इसके आधार पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 103(1) बीएनएस के तहत अपराध क्रमांक 446ध्25 पंजीबद्ध किया गया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण, साक्ष्य संग्रह और फॉरेंसिक जांच के साथ 65 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। पति ने कुबूला गुनाह-पूछताछ में पति अभिनेक कुमार (25 वर्ष, निवासी छुईयापारा) ने जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि विवाद के बाद उसने पत्नी का मुंह चुनरी से बांधा और तकिए से गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से शव पर अखबार और कपड़े डालकर उसे जला दिया।

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल अवैध रूप से संचालित समृद्धि राइस मिल को बंद करने का दिया आदेश

कोरबा छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा की गई कार्यवाही के अंतर्गत, समृद्धि राइस मिल यूनिट-2, ग्राम बारपाली को जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1974 तथा वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 के प्रावधानों के तहत बिना वैध स्वीकृति के संचालन किए जाने के कारण बंद करने का आदेश जारी किया गया है।

मंडल की निरीक्षण टीम द्वारा मिल परिसर में निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि इकाई संचालित हो रही थी जबकि इसके पास जल एवं वायु सम्मति प्राप्त नहीं थीं। इस गंभीर उल्लंघन को ध्यान में रखते हुए मंडल द्वारा इकाई को इकाई को बंद करने का आदेश 21 जुलाई को पारित किया गया। इस आदेश के अनुपालन में विद्युत वितरण कंपनी को निर्देशित किया गया, जिसके अनुसार समृद्धि राइस मिल यूनिट-2 की विद्युत आपूर्ति विच्छिन्न करने की कार्यवाही की गयी।

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के अनुसार, राज्य में संचालित सभी उद्योगों को उनके प्रदूषण की संभावना और क्षमता के आधार पर चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है जिनमे उनको रेड, ऑरेंज, ग्रीन, व्हाइट में बांटा गया हैं इनमें से रेड, ऑरेंज और ग्रीन श्रेणियों में आने वाले सभी उद्योगों को संचालन से पूर्व मंडल से स्थापना की स्वीकृति एवं संचालन प्रारंभ करने से पूर्व संचालन की स्वीकृति लेना अनिवार्य होता है। व्हाइट श्रेणी के अंतर्गत आने वाले उद्योगों को केवल सूचना की आवश्यकता होती है, परंतु यदि वे किसी जल स्त्रोत या वायुमंडलीय प्रदूषण को प्रभावित करते हैं, तो उन्हें भी अनुमति लेनी होती है।

मंडल सभी औद्योगिक इकाइयों से अपील करता है कि वे संचालन प्रारंभ करने से पूर्व आवश्यक पर्यावरणीय स्वीकृतियाँ प्राप्त करें तथा प्रदूषण नियंत्रण मानकों का पूर्णतः पालन करें।

संकल्प महिला मंडल ने मनाया हरियाली तीज उत्सव

हरियाली क्वीन चुनीं गईं काजल पहवा, श्रीतमा पाल द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर सुनीता तिवारी चुनी गईं

कोरबा)। हसदेव ताप विद्युत गृह (एचटीपीएस) कोरबा पश्चिम के आवासीय कॉलोनी स्थित रविंद्र सांस्कृतिक भवन में संकल्प महिला मंडल (सीनियर क्लब) द्वारा हरियाली तीज उत्सव मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी की प्रथम महिला प्रभा कटियार रहीं। तीज उत्सव में हरियाली क्वीन काजल पहवा चुनी गईं। जबकि श्रीतमा पाल द्वितीय स्थान व सुनीता तिवारी को तृतीय स्थान मिला। कार्यक्रम का सफल आयोजन संकल्प महिला मंडल की अध्यक्ष रूबी श्रीवास्तव मार्गदर्शन में महिला मंडल के पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण महिला मंडल की सचिव संगीता कोरम ने दिया। सांस्कृतिक सचिव स्वाति जैन एवं दीक्षा गुप्ता की समिति द्वारा''दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे की थीम पर नृत्य नाटिका की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी की प्रथम महिला श्रीमती प्रभा कटियार ने अपने उद्बोधन में हरियाली तीज उत्सव की मुक्तकंठ से सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने अपने हाथों से संकल्प महिला मंडल के नवीन प्रतीक चिह्न का अनावरण किया। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन वित्त सचिव हर्षिता श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संकल्प महिला मंडल की उपाध्यक्ष प्रियंका पाटले, अभिलाषा गुप्ता, मिनती स्वेन, मनीषा पांडे, कविता पंड्या और अनुराधा राव, सह-सचिव माधुरी जायसवाल व मंजूषा बरडिया, क्रीड़ा-सचिव दिव्या देवांगन व कविता पटेल का विशेष योगदान रहा।

बच्चों के समग्र विकास के लिए बनाएं कार्ययोजना : कलेक्टर

लोकशक्ति

बिलासपुर कलेक्टर संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में आज जिले के समस्त संकुल शैक्षिक समन्वयकों एवं प्राचार्यों की संयुक्त बैठक स्थानीय देवकीनन्दन दीक्षित सभा भवन, लाल बहादुर शास्त्री स्कूल परिसर में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाना और छात्रों के शैक्षणिक प्रर्दशन को बेहतर बनाना था। कलेक्टर ने सभी प्राचार्यों को निर्देश दिए कि वे विद्यालय में नियमित कक्षाओं का संचालन सुनिश्चित करें। शिक्षकों की उपस्थिति पर विशेष निगरानी रखें और कमजोर छात्रों पर ज्यादा ध्यान देते हुए उनके लिए विशेष कक्षाएं आयोजित करें। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि छात्रों में नैतिक मूल्यों और व्यावहारिक ज्ञान का भी विकास होना चाहिए। बैठक में नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार, सीईओ जिला पंचायत संदीप अग्रवाल, जिला मिशन समन्वयक ओम पाण्डेय, सहायक परियोजना अधिकारी रामेश्वर जायसवाल सहित जिला शिक्षा कार्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थिति रहे।

कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि देश की भावी पीढ़ी के निर्माण में शिक्षकगण अपना बहुमूल्य योगदान दें। उन्होंने शिक्षकीय कार्य को सेवा भाव से करने शिक्षकों को प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होंने प्राचार्यों से कहा कि वे विद्यार्थियों में सकारात्मक सोच और सामाजिकता की भावना का विकास करें। विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास हेतु पाठ्यक्रम के अतिरिक्त पर्यावरण, स्वच्छता, सड़क सुरक्षा, नैतिक एवं सामाजिक मूल्य प्रदान करने प्राचार्यों से प्रत्येक शनिवार को इसके लिए कार्ययोजना बनाने कहा। आने वाली पीढ़ी के लिए जल संरक्षण के अंतर्गत पानी बचाओ अभियान की शुरूवात के साथ ही अधिकाधिक वृक्षारोपण किए जाने हेतु प्रेरित करने के निर्देश दिए। स्कूलों में संचालित मध्यान्ह भोजन की पौष्टिकता पर विशेष ध्यान देते हुए सप्ताह में एक दिन विद्यार्थियों को गुड़ चना देने कहा। इसके साथ ही गतवर्ष से संचालित न्योता भोज कार्यक्रम को भी सतत् रूप से जारी रखने हेतु निर्देशित किया गया। इस शैक्षणिक सत्र में जिला प्रशासन द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से किशोरी बालिकाओं को उनके स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान किए जाने हेतु कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश दिए। विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए प्रत्येक दिन खेलकूद की गतिविधियां आयोजित करने कहा।

नगर निगम कमिश्नर अमित कुमार ने गत शैक्षणिक सत्र में मिशन 90 प्लस अंतर्गत बोर्ड परीक्षाओं से संबंधित किए गए प्रयासों की जानकारी दी। इस शैक्षणिक सत्र में आवश्यकतानुसार सुधार करते हुए इसे और कैसे प्रभावी बनाये इस हेतु विशेष जोर देते हुए समस्त प्राचार्यों से प्रभावी कक्षाध्यापन एवं मूल्यांकन उपरांत उपचारात्मक शिक्षण देने हेतु विषेष प्रयास किए जाने हेतु प्रेरित किया गया। सीईओ जिला पंचायत संदीप अग्रवाल द्वारा शासन द्वारा विद्यालयों में प्रदत्त सुविधाओं का समुचित लाभ विद्यार्थियों को प्रदान की जाने की बात कही गई, इसके साथ ही उनके द्वारा जिला प्रशासन के अभिनव प्रयास के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि संकुल शैक्षक समन्वयकों के माध्यम से विद्यार्थियों का जाति प्रमाण पत्र मोबाईल एप्प के माध्यम से किस तरह से आसानी पूर्वक विद्यालय स्तर से ही बनाया जायेगा।

कार्यक्रम की शुरूआत में जिला मिशन समन्वयक ओम पाण्डेय के उद्बोधन से हुआ जिसमें उनके द्वारा प्रारंभिक स्तर के विद्यार्थियों के भाषाई एवं गणितिय कौशल के विकास हेतु शासन के कार्ययोजना अनुसार कार्य किए जाने पर विशेष बल दिया गया। सहायक संचालक पी. दासरथी द्वारा छत्तीसगढ़ के रजत जयंती वर्ष में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी उपस्थिति प्रतिभागियों को दिया गया। जिला साक्षरता मिशन के परियोजना अधिकारी जितेन्द्र पाटले के द्वारा उल्लास कार्यक्रम के संदर्भ में जानकारी देते हुए साक्षरता दिवस के सफल क्रियान्वयन हेतु उपयोगी सुझाव प्रदान किए गए। स्वास्थ्य विभाग के डॉ. अनुपम नाहाक, जिला सलाहकार राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम बिलासपुर के द्वारा विद्यार्थियों को दुर्व्यसनों से किस तरह से दूर रखें इस बाबत् उपयोगी जानकारी प्रदान की गई। इसके सथ ही स्वास्थ्य विभाग से आए गिरीश दुबे के द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाये जाने संबंधी जानकारी प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान के संदर्भ में जानकारी देते हुए जिला परियोजना कार्यालय के सहायक कार्यक्रम समन्वयक, डॉ. मुकेश पाण्डेय के द्वारा गुणवत्तायुक्त शिक्षा हेतु समुदाय की सहभागिता, शिक्षकों की सेवाभाव के साथ समर्पण के साथ विद्यार्थियों को निरंतर रूप से सक्रिय रखने हेतु प्रभावी कक्षाध्यापन पर विशेष रूप से जानकारी प्रदान किया गया। इसके साथ ही बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के प्रबंधक श्रीनिवास के द्वारा मिशन 90 संबंधी आवश्यक जानकारी पावर प्वाइंट के माध्यम से दी गई। भिलाई एजुकेशन चेरिटेबल ट्रस्ट के समन्वयक ई0 पी0 रितेश द्वारा कमजोर वर्ग के छात्रों को जेईई एवं नीट परीक्षा हेतु निःशुल्क कोचिंग प्रदान किए जाने संबंधी जानकारी उपस्थित प्रतिभागियों को दी गई।

दिनदहाड़े व्यवसायी के घर लूटपाट करने की कोशिश, आरोपी गिरफ्तार

कोरबा सिविल लाइन थाना क्षेत्र के डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद नगर फेज 2 में शनिवार को दिनदहाड़े एक व्यवसायी के घर में लूटपाट की कोशिश की गई। आरोपी ने घर में घुसकर महिला सदस्यों को धमकाया और रुपये की मांग की, जिससे एक महिला जख्मी हो गई। हालांकि, परिजनों की सतर्कता और पुलिस की तत्परता से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

कंप्यूटर व्यवसायी नीलेश भुजाशिया जिनकी निहारिका महानदी कॉम्पलेक्स में कम्प्यूटर चैनल के नाम से दुकान संचालित है ,के घर में दोपहर को महिला सदस्य मौजूद थे। तभी एक व्यक्ति जबरदस्ती घर में घुस गया और खुद को जरूरतमंद बताकर रुपये की मांग करने लगा। आरोपी ने महिला सदस्यों को धमकाया और चाकू दिखाकर रुपये की मांग की, जिससे एक महिला ज ख्मी हो गई। घटना के समय पीड़ित महिला बिहार में रहने वाले अपने रिश्तेदार से बातचीत कर रही थी, जिससे उन्हें घटना की जानकारी मिली और उन्होंने तुरंत कोरबा में रहने वाले अपने रिश्तेदार अरुण को सूचित किया। अरुण ने अपने साथी के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

हाथी संरक्षण के लिए प्रेरक पहल - वैभव जगने ने कलेक्टर को भेंट की पुस्तक मैं हाथी हूं

धमतरी । वन्यजीव संरक्षण की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहे पशुप्रेमी श्री वैभव जगने ने जिले के कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा से सौजन्य मुलाकात कर अपनी पुस्तक 'मैं हाथी हूं' भेंट स्वरूप प्रदान की। यह पुस्तक हाथियों के संरक्षण, उनके व्यवहार और उनके पारिस्थितिकीय महत्व को जनमानस तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

इस अवसर पर कलेक्टर श्री मिश्रा ने श्री जगने से आत्मीय चर्चा करते हुए उनके कार्यों की सराहना की और कहा कि ऐसे प्रयासों से न केवल आमजन में जागरूकता बढ़ती है, बल्कि मानव और वन्यजीवों के बीच समन्वय का रास्ता भी प्रशस्त होता है। उन्होंने हाथी जैसे राष्ट्रीय विरासत पशु के संरक्षण हेतु चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों की जानकारी लेकर पूर्ण सहयोग का आश्वासन भी दिया।

वैभव जगने ने बताया कि वे बीते पाँच वर्षों से छत्तीसगढ़ के हाथी प्रभावित क्षेत्रों – जैसे धमतरी, गरियाबंद, बालोद और कांकेर – में हाथियों के संरक्षण और मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने अपने सहयोगी श्री प्रेम शंकर चौबे के साथ मिलकर करीब 100 गांवों में जागरूकता अभियान चलाया है, जिसमें पोस्टर, पम्पलेट और संवाद के माध्यम से स्थानीय लोगों को हाथियों के महत्व और उनके साथ शांतिपूर्वक सहअस्तित्व पर जागरूक किया गया।मैं हाथी हूं' पुस्तक में हाथियों के रहवास, उनके व्यवहार, संकटों और उनके संरक्षण से जुड़ी वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक जानकारियों को सरल भाषा में प्रस्तुत किया गया है। इस पुस्तक का उद्देश्य लोगों में फैली भ्रांतियों को दूर कर उनके मन में हाथियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण पैदा करना है। श्री जगने ने बताया कि यह पुस्तक सभी वन्यजीव प्रेमियों के लिए निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि अवैध जंगल कटाई और मानवीय अतिक्रमण के कारण हाथियों का प्राकृतिक रहवास क्षेत्र लगातार सिमट रहा है, जिससे मानव और हाथियों के बीच संघर्ष की घटनाएं बढ़ रही हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, यदि हाथी जैसे प्रमुख पारिस्थितिक जीव विलुप्त हो जाते हैं, तो इसका गंभीर असर पूरे जैवविविधता तंत्र पर पड़ेगा।

रक्षा टीम इनर व्हील क्लब दुर्ग के साथ आयोजित सेल्फ डिफेंस कार्यक्रम आइडियल इंटरनेशनल स्कूल दुर्ग पहुंची

दुर्ग। अनजान व्यक्तियों से अपनी निजी जानकारी शेयर ना करने के संबंध में किया गया जागरूक। मोबाइल के उपयोग में सावधानी बरतने किया गया जागरूक। छात्र-छात्राओं को साइबर डिजिटल अरेस्टिंग के बारे में किया गया जागरूक। सहायक उपनिरीक्षक संगीता मिश्रा के द्वारा शाला परिसर में उपस्थित छात्र छात्राओं शिक्षक शिक्षिकाओं को सोशल मीडिया से संबंधित जानकारी दी गई , पास्को एक्ट ,नशे के उपयोग से होने वाली समस्या के बारे में एवं नशे से मुक्त होने के विभिन्न प्रकार साधनो की जानकारी दी गई, छात्र-छात्राओं को आवश्यक इमरजेंसी नंबर 112, 9479192099 की जानकारी दी जाकर अपनी निजी जानकारी अनजान व्यक्तियों से शेयर नहीं करने एवं सोशल मीडिया का सेफ्टी फीचर के साथ उपयोग एवं 1930 इमरजेंसी नम्बर के बारे में बताया गया, अपने मोबाइल पर महत्वपूर्ण नम्बर को सुरक्षित रखने साथ ही साथ अपने पास रखें अपनी निजी जानकारी किसी से शेयर ना करने एवं इमरजेंसी नंबरों की जानकारी दी गई उपस्थित छात्र छात्राओं को जीवन में आने वाली किसी भी प्रकार की समस्या को अपने माता-पिता एवं अपने गुरुजनों से शेयर करने एवं जीवन में आगे बढ़ने के लिए मोटिवेट किया गया । अपने पास रखे सामान जैसे पेन, पीन, बैग, बोतल, चाबी से अपनी सुरक्षा कैसे कर सकते हैं सेल्फडिफेंस बताया गया।

शासकीय उच्च माकन्या शाला सरकंडा नूतन चौक में किया गया छात्राओं को जागरूक

बिलासपुर । यातायात संदेशों के नारों के साथ मानव श्रृंखला बनाकर निकाले गए यातायात जागरूकता रैली। छात्रों ने यातायात तख्तियों के माध्यम से लोगों को दिया यातायात नियमों के पालन के संदेश। कार्यक्रम में यातायात, महिला एवं बाल अपराध, साइबर अपराध, नशा मुक्ति, मोबाइल की लत, बुजुर्गों के अधिकार एवं सम्मान, पर्यावरण आदि अनेक विषय पर हुआ कार्यशाला। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने छात्र छात्राओं को दिया यातायात नियमों के पालन के सिख। कार्यक्रम के अंत मे छात्राओं सहित सभी को दिलाई गई यातायात नियमों के पालन हेतु सपथ। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री रजनेश सिंह दिशा निर्देश में बिलासपुर पुलिस के द्वारा चलाए जा रहे चेतना अभियान के तहत नियमित रूप से चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रम के विभिन्न चरणों का विस्तार करते हुए वृहद रुप में सभी जागरूकता कार्यक्रमो का समन्वित द्वितीय चरण का आज जिला एवं पुलिस प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में चेतना- छात्र जागरूकता अभियान शहीद अविनाश शर्मा शासकीय उच्च मा. कन्या शाला सरकंडा बिलासपुर में किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात रामगोपाल करियारे एवं विद्यालय प्राचार्या श्रीमती गायत्री तिवारी, सम्माननीय अभ्यागतो के गरिमामय आगमन एवं नागरिक संगठनों, छात्र छात्राओं, माता-पिता, अभिभावकों एवं गणमान्य नागरिकगणों के विशाल उपस्थिति एवं सहभागिता में प्रातः 09 बजे बजे से प्रारम्भ हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ के पूर्व विद्यालय के मुख्य द्वार पर छात्र-छात्राओं द्वारा उत्साह पूर्वक अतिथियों का तिलक लगाकर, पुष्पवर्षा और आरती के साथ अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया गया। अतिथियों को एन सी सी के स्काउट छात्राओं द्वारा पायलेटिंग कर मुख्य मंच तक लाया गया। तत्श्चात बालिकाओं द्वारा माँ सरस्वती वंदना के गुंजन के साथ अतिथियों के द्वारा माँ सरस्वती के छायाचित्र पर पूजा अर्चना कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया गया। इसके पश्चात स्काउट गाइड के छात्रों के द्वारा मुख्य अभ्यागतों एवं अतिथियों को सम्मानपूर्वक मंचासीन किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण और पुष्प गुच्छ से किया गया।तत्श्चात विद्यालय के प्राचार्या श्रीमती गायत्री तिवारी जी द्वारा स्वागत उद्बोधन में कार्यक्रम के उद्देश्य, रूपरेखा और मुख्य विषय के बारे में अवगत कराया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में एएसपी रामगोपाल करियारे ने कहा कि छात्र छात्राएं यातायात पुलिस के संवाहक रूप में नागरिक समुदाय के सभी वर्गों को प्रभावित करते है क्योंकि बच्चों के द्वारा अपने माता पिता, अभिभावकों, पालकों एवं रिस्तेदारों को सहज रूप में स्कूल के माध्यम से दी गयी जानकारियों को कठोरता से पालन करने की जिद की जाती है। आज के छात्र-छात्राएं अपने माता-पिता अभिभावकों के सापेक्ष आधुनिक तकनीकी शिक्षाओं के कारण प्रत्येक नवीनता से अद्यतन होते हैं अतः इन्हें किसी भी क्षेत्र में हुए नवीनता के प्रति सहजतापूर्वक अनुकूल होने में आसानी होती है

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने किया पुसौर में उप पंजीयक कार्यालय का शुभारंभ, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी

उप पंजीयक कार्यालय शासन की जन-केन्द्रित सेवाओं की प्रतिबद्धता और त्वरित, पारदर्शी व्यवस्था का बनेगा प्रतीक - वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी

रजिस्ट्री कार्य अब जिला मुख्यालय नहीं, स्थानीय स्तर पर होगा संभव

रायपुरपुसौरवासियों को अब जमीन की रजिस्ट्री के लिए रायगढ़ जिला मुख्यालय की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने आज जनपद पंचायत पुसौर परिसर में नवीन उप पंजीयक कार्यालय का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह कार्यालय शासन की जन-केन्द्रित सेवाओं की प्रतिबद्धता और त्वरित, पारदर्शी व्यवस्था का प्रतीक बनेगा।

श्री चौधरी ने कहा कि यह केवल एक भवन का उद्घाटन नहीं, बल्कि ग्रामीण जनता को सुलभ, सस्ती और तेज़ रजिस्ट्री सेवा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। स्थानीय स्तर पर सुविधा मिलने से समय, ऊर्जा और धन की बचत होगी। यह कार्यालय क्षेत्रवासियों को 65 प्रकार की रजिस्ट्री सेवाएं प्रदान करेगा, जिनमें विक्रय विलेख, दानपत्र, बंटवारा, हक त्याग, वसीयत और केसीसी बंधक जैसी प्रक्रियाएं शामिल हैं। इस कार्यालय में एक उप पंजीयक, दो ऑपरेटर और एक एमटीएस की नियुक्ति की गई है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने प्रदेश सरकार की जनहितकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की। उन्होंने कहा कि सरकार बनने के तुरंत बाद किसानों को दो साल का बोनस दिया गया, 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी की जा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत डेढ़ साल में 18 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से केवल पुसौर ब्लॉक में 127 करोड़ की राशि से 9000 आवासों के लिए स्वीकृति मिली है। उन्होंने आश्वस्त किया कि आवास प्लस सर्वे के माध्यम से सभी पात्र लोगों को आवास उपलब्ध कराए जाएंगे। महतारी वंदन योजना की सफलता का ज़िक्र करते हुए उन्होंने बताया कि हर महीने 70 लाख महिलाओं को बिना विलंब राशि हस्तांतरित की जा रही है। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी द्वारा पुसौर में सड़कों, पुल-पुलियों, अस्पताल और नर्सिंग कॉलेज की स्थापना जैसे विकास कार्यों की भी रूपरेखा साझा की गई। उन्होंने बताया कि 80 लाख रुपये की लागत से नवीन उप पंजीयक कार्यालय भवन का निर्माण जल्द शुरू किया जाएगा।

कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी ने बताया कि पुसौर के नजदीक 88 पंचायतें हैं, जिनके लोग अब स्थानीय स्तर पर रजिस्ट्री करा सकेंगे। संपत्ति क्रय-विक्रय, उत्तराधिकार, वसीयत व अन्य दस्तावेजों की प्रक्रिया पहले की तुलना में अधिक सरल और पारदर्शी हो गई है। सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप राज्य सरकार ने रजिस्ट्री कार्यों में 10 क्रांतिकारी सुधार किए हैं, जिनमें आधार सत्यापन, ऑनलाइन भुगतान, डिजीलॉकर सेवा, घर बैठे दस्तावेज निर्माण और स्वतः नामांतरण जैसी सुविधाएं शामिल हैं। कार्यक्रम में महापौर श्री जीवर्धन चौहान, जनपद अध्यक्ष श्रीमती हेमलता चौहान, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मानी सतपथी सभापति श्री डिग्री लाल साहू सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच मुठभेड जारी : 4 माओवादियों के शव बरामद

बीजापुर । बीजापुर जिले में सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ जारी है। मुठभेड़ में अब तक 4 माओवादियों के शव जवानों तथा इंसास और एसएलआर राइफल सहित बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए गए हैं। बीजापुर जिले के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी की जानकारी के आधार पर सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन शुरू किया। इस अभियान के दौरान 26/07/2025 की शाम से ही सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है।

भाजयुमों प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत को पार्टी ने दिया नोटिस

रायपुर । पार्टी नेताओं के खिलाफ सोशल मीडिया में बयानबाजी करने वाले भाजयुमों प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत को पार्टी ने नोटिस थमा दिया है तथा सात दिनों के अंदर जवाब मांगा है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत को पार्टी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उन पर पार्टी नेताओं के खिलाफसोशल मीडिया पर दुष्प्रचार करने और अनुशासनहीनता बरतने के आरोप लगाए गए हैं। नोटिस पार्टी के प्रदेश महामंत्री जगदीश रोहरा की ओर से जारी किया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बंजारीडाड का किया आकस्मिक निरीक्षण

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बंजारीडाड का किया आकस्मिक निरीक्षण

अस्पताल में भर्ती मरीजों से की बातचीत, सुविधाओं का लिया जायजा

रायपुर। अस्पताल में भर्ती मरीजों से की बातचीत, सुविधाओं का लिया जायजा स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आज मनेंद्रगढ़ जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बंजारीडाड का निरीक्षण कर मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं की उपलब्धता, साफ-सफाई, डॉक्टरों की उपस्थिति और उपचार की गुणवत्ता की समीक्षा की।

स्वास्थ्य मंत्री ने मरीजों और परिजनों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना और चिकित्सक तथा मेडिकल स्टाफ को त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री जायसवाल ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा उपचार और मिलने वाली सुविधाओं के बारे में पूछा। उन्होंने मरीजों के परिजनों से भी चर्चा की और उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने डॉक्टर्स, नर्सिंग स्टाफ और अन्य कर्मचारियों से संवाद कर मरीजों की देखभाल में और अधिक संवेदनशीलता बरतने के निर्देश दिए।

मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार सभी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि शासकीय अस्पतालों की सुविधाओं में लगातार विस्तार किया जा रहा है ताकि मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके।

पुलिस महानिरीक्षक ने ली पुलिस अधीक्षकों की बैठक

रायपुर। पुलिस महानिरीक्षक रायपुर अमरेश कुमार मिश्रा द्वारा दिनांक 26.07.2025 को रेंज के जिलों के पुलिस अधीक्षकों की अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला रायपुर, महासमुंद, धमतरी, गरियाबंद, बलौदाबाजार के पुलिस अधीक्षक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अन्य राजपत्रित अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में पुलिस महानिरीक्षक द्वारा लंबित अपराध निकाल अभियान की समीक्षा कर वर्षों से लंबित वर्ष 2023 के पूर्व के लगभग 2100 प्रकरणों में से विगत 06 माह में लगभग 1850 प्रकरणों का निराकरण करने पर सराहना की गई, साथ ही लंबित प्रकरणों तथा नवीन कानून के तहत पंजीबध्द अपराध का पर्यवेक्षण कर कोर्ट, चिकित्सा जैसे अन्य प्रमुख विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए गुणवत्ता पूर्ण विवेचना करते हुए अपराधों के निराकरण के निर्देश दिये गये। एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों की समीक्षा कर राजपत्रित अधिकारियों द्वारा लीड करते हुए स्वयं सर्च कार्यवाही करने, एनडीपीएस एक्ट की धारा 21, 25, 27 का उपयोग बढ़ाये जाने, धारा 107 बीएनएसएस के अंतर्गत संपत्ति कुर्की/जप्ती की कार्यवाही करने, फाईनेंशियल एवं एण्ड टू एण्ड इन्वेस्टिगेशन कर अन्तर्राज्यीय गैंग तथा सहयोगी कूरियर कंपनियों के विरूध्द कार्यवाही, बाहरी राज्यों से आ रही प्रतिबंधित दवाओं के सप्लाई चेन के विरूध्द कड़ी कार्यवाही किये जाने तथा आदतन अपराधियों के विरूध्द पिट एनडीपीएस की कार्यवाही करने हेतु निर्देश दिये गये।

अवैध शराब बिक्री पर कड़ी कार्यवाही के साथ साथ स्थानीय निर्मित शराब की रासायनिक परीक्षण कराकर वैधानिक कार्यवाही करने, चिटफण्ड एवं अन्य प्रकरणों के फरार अरोपियों की पतासाजी हेतु विभिन्न पोर्टल का उपयोग के साथ सोशल मीडिया मॉनिटरिंग एवं ओपन सोर्स इंटेलिजेंस का उपयोग कर गिरफ्तारी का प्रयास करने, थानों में जप्त वाहनों के निराकरण एवं राजसात की कार्यवाही करने, फर्जी दस्तावेज तैयार करने की प्रक्रिया में संलिप्त व्यक्तियों के विरूध्द कार्यवाही करने, गौवंश तस्करी पर प्रभावी कार्यवाही करने तथा संदिग्ध अवैध प्रवासियों की जांच करने के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। सायबर अपराध के प्रभावी एवं त्वरित निराकरण हेतु थाना स्तर पर तकनीकी दक्ष अधिकारियों का पैरेलल टेक्ट विकसित कर रेंज स्तर पर समन्वय स्थापित करते हुए एकीकृत रूप से कार्य कर बेहतर विवेचना करने संबंधी दिशा-निर्देश दिया गया, साथ ही अपराध में प्रयुक्त मोबाईल नम्बर/आईएमईआई के ब्लॉकिंग एवं टेक्निसिंग करने के साथ बैंक अकाउन्ट को लीन मार्क/ब्लॉक करने की कार्यवाही कर अपराधियों की पतासाजी हेतु ओपन सोर्स एन्टेलिजेंस का उपयोग करने हेतु निर्देशित किया गया।

वन्यप्राणियों की सुरक्षा – संरक्षण तथा मानव–वन्यप्राणी संघर्ष से बचने जागरूकता अभियान

सुकमा। वन्यप्राणियों के संरक्षण एवं पुनर्वास के लिए सुकमा जिले में विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी संदर्भ में गत दिवस वन परिक्षेत्र क्रिस्टाराम में विद्यालयीन छात्र-छात्राओं, ग्रामीणजनों एवं जनप्रतिनिधियों के समक्ष वन विभाग के कर्मचारियों द्वारा जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि सुकमा जिले में एक भालू (स्लॉथ बेयर) पर कुछ ग्रामीणों द्वारा की गई क्रूरता का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस घटना ने भी वन्यप्राणी संरक्षण के प्रति आमजन में जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता को उजागर किया।कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन तथा डीएफओ श्री अक्षय भोंसले के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान में बताया गया कि वन्यप्राणी हमारे पारिस्थितिक तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं और उनके साथ मानवीय व्यवहार किया जाना चाहिए।कार्यक्रम के पश्चात आश्रम परिसर में फलदार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। बच्चों ने पम्फलेट बांटकर वन्यजीव और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। यह कार्यक्रम बच्चों में प्रकृति और वन्यजीवों के प्रति संवेदनशीलता और जागरूकता उत्पन्न करने में सफल रहा, जो भविष्य में प्रकृति के रक्षक बनेंगे।इस कार्यक्रम में वन परिक्षेत्र अधिकारी गोलापल्ली, क्रिस्टाराम, ग्राम क्रिस्टाराम के सरपंच श्री सुन्नम कामा, सेंदूरगुड़ा के सरपंच श्री कुंजाम हुर्रा एवं वन प्रबंधन समिति के अध्यक्ष श्री मल्लम बोज्जी एवं वन विभाग के कर्मचारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

जनजातीय गौरव पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागी के रूप में देशना जैन चयनित

जशपुर। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद दिल्ली एवं इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ के संयुक्त तत्वाधान में 2 दिवसीय जनजातीय गौरव राष्ट्रीय संगोष्ठी 1 एवं 2 अगस्त को खैरागढ़ विश्वविद्यालय में आयोजित है। इस संगोष्ठी में 40 से अधिक टॉपिक्स पर देश के अलग अलग हिस्सों से चयनित किए गए वक्ता अपनी बात रखेंगे। इस कार्यक्रम में वक्ताओं के द्वारा आदिवासियों की कला, संस्कृति, स्वतंत्रता आंदोलनों में उनके योगदान पर प्रकाश डाला जायेगा। मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे आदिवासी बहुल राज्यों में जनजातीय वर्ग का गौरवशाली इतिहास रहा है। उनकी कला, उनकी संस्कृति उनकी प्राचीन परंपराओं की प्रमुख भूमिका औपनिवेशिक विरोध आंदोलनों में रही है। जेसिंटा केरकेट्टा, बिरसा मुंडा, तंत्या भील जैसे क्रांतिकारियों के योगदान, आदिवासी जीवन का प्रकृति के साथ संबंध, आदिवासी समाज का सांस्कृतिक अनुशीलन, प्रतिरोध आंदोलनों में आदिवासी महिलाओं की भूमिका, आदिवासी नायकों का जीवन और विरासत, छत्तीसगढ़ के महानायक शहीद ठाकुर वीर नारायण सिंह, जनजाति के लोकनायक बिरसा मुंडा, राजा शमशेर सिंह पारधी, प्रतिरोध के स्वर एवं महिला आदिवासी लेखन, हिंदी सिनेमा में प्रदर्शित आदिवासी छबि, मध्य प्रदेश के गोंड जनजातियों के शिल्पकला का संरक्षण, बस्तर विद्रोह, झारखंड में आदिवासी शिक्षा का रूपांतरण, भारतीय आदिवासी कला की राष्ट्रीय आंदोलनों में भूमिका इत्यादि विषयों पर दिल्ली विश्वविद्यालय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी, जामिया मीलिया, लखनऊ विश्वविद्यालय सहित देश के ख्यातनाम विश्वविद्यालयों तथा छत्तीसगढ़ के सभी प्रमुख विश्वविद्यालयों के प्रोफेसर, रिसर्च स्कॉलर, शोधकर्ता और विषय विशेषज्ञ इस संगोष्ठी में हिस्सा लेंगे। धमतरी नगर के लिए गर्व की बात है कि नगर की बेटी देशना कविंद्र जैन इस संगोष्ठी में हिस्सा लेगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)